Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 236 | शनिवार, 05 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

अयोध्या-काशी की तर्ज पर संवरेगा ब्रजः सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने जताया संकल्प- मथुरा, वृंदावन में ऐसा भव्य परिसर तैयार करेंगे, जैसा अयोध्या और काशी में हुआ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या काशी के भव्य विकास के बाद अब ब्रजभूमि को भी जन-भावनाओं के अनुरूप विकसित किया जाएगा। डबल इंजन सरकार इसमें कोई कसर नहीं छोड़ेगी। ब्रजभूमि के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए यहां ऐसा भव्य परिसर तैयार किया जाएगा, जैसा अयोध्या और काशी में हुआ है। पिछली सरकारें श्रीकृष्ण जन्मभूमि आने से डरती थीं, क्योंकि उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता होती थी। यह सरकार कृष्ण कन्हैया, प्रभु श्रीराम, बाबा विश्वनाथ और मां विंध्यवासिनी पर विश्वास करती है। लेकिन, जिनकी आस्था बाबर और औरंगजेब में होगी, क्या वे आपकी आस्था का सम्मान कर पाएंगे ?राज्य और स्थानीय प्रशासन

कल्पना से परे था अयोध्या का कायापलट

मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्यावासियों को कल्पना भी नहीं थी कि कभी अयोध्या का इतना भव्य विकास होगा। वहां न सड़क थी, न बिजली और न ही पानी की समुचित व्यवस्था। गंदगी का अंबार लगा रहता था। अयोध्या रेलवे की सिंगल लाइन से जुड़ी थी। जो श्रद्धालु वहां जाता था, अव्यवस्था और अराजकता देखकर रोता हुआ लौटता था। आज प्रतिदिन करीब एक लाख श्रद्धालु अयोध्या धाम आते हैं। रामनवमी, कार्तिक माह, सावन का झूला मेला, दीपोत्सव आदि पर्वों पर यह संख्या बढ़कर पांच से 50 लाख तक पहुंच जाती है। कहीं कोई असुविधा नहीं होती। सामाजिक समता का अद्भुत उदाहरण भी देखने को मिलता है। प्रभु श्रीराम के नाम को जन-जन तक पहुंचाने वाले महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बन गया है। कनेक्टिविटी के लिए चारों ओर से फोरलेन सड़कें बन चुकी हैं। रेलवे की डबल लाइन हो चुकी है। अयोध्या में जहां भी जाएंगे, आपको भक्तिपथ, रामपथ जैसे नामों की फोरलेन सड़कें मिलेंगी।

अपराजित रही हमारी आस्था

सीएम ने कहा कि 500 वर्ष पहले 1528 में विदेशी आक्रांता ने हमारी आस्था को समाप्त करने का प्रयास किया था। लेकिन, अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्रति हमारी सनातन आस्था निरंतर बढ़ रही है। वहां उमड़ रहे जनसैलाब से इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। जो आक्रांता खुद को अविजित मानते थे, आज उनका कहीं अता-पता नहीं। सब समाप्त हो गए। लेकिन, हमारी आस्था कभी पराजित नहीं हुई। अयोध्या में प्रभु श्रीराम का दुनिया का विशालतम भव्य मंदिर बन गया। जिन लोगों को ये सब अच्छा नहीं लगता, वे अयोध्या को बदनाम कर रहे हैं।

ब्रज क्षेत्र में श्रद्धालुओं को मिलेंगी सभी सुविधाएं

सीएम ने कहा कि मथुरा-वृंदावन समेत बरसाना, नंदगांव व गोवर्धन आने वाले श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं मिलेंगी। किसी श्रद्धालु को कोई दिक्कत न हो, उसकी आस्था को ठेस न लगे, वह सहज भाव से आए, दर्शन करे और आशीर्वाद लेकर जाए। इसके लिए डबल इंजन की सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। ये पर्व व त्योहार केवल आस्था ही नहीं, हमारी आर्थिकी के आधार भी हैं। समाज का हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में व्यवस्था के साथ जुड़कर पीएम मोदी जी के विकसित भारत की परिकल्पना को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहा है।

समाज विरोधी मंसूबे पूरे नहीं होने देगी सरकार

मुख्यमंत्री शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर में दर्शन-पूजन करने के उपरांत मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाबर और औरंगजेब के अनुयायी फिर से समाज में जहर घोलने का काम करने जा रहे हैं। उनकी आदत समाज में विष वमन करने की है, जिससे समाज व राष्ट्र विरोधी तत्वों के हौसले बढ़ सकें, वे आपकी सुरक्षा में सेंध लगा सकें, युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर सकें, बहन-बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगा सकें, अन्नदाता किसानों की खुशहाली पर डकैती डाल सकें और उद्यमी बनने की ओर अग्रसर कारीगरों व हस्तशिल्पियों को फिर से लाचार बना सकें। लेकिन डबल इंजन की सरकार इन मंसूबों पर पानी फेरेगी और इन्हें कभी पूरा नहीं होने देगी।

मां विंध्यवासिनी धाम का भव्य परिसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं अभी यहां योगमाया का दर्शन कर रहा था। इसी धरा पर योगमाया ने अवतरित होकर कंस के अहंकार को चुनौती दी थी और वही योगमाया विंध्यवासिनी धाम में प्रकट हुई थीं। मैं जब भी यहां आता था, मुझे तत्काल मां विंध्यवासिनी का स्मरण आता था। आज मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि योगमाया के प्रति हमारी आस्था ने विंध्यवासिनी धाम को एक भव्य परिसर उपलब्ध कराया है।

हम सिर्फ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से एक ही बात कही कि अर्जुन, तुम निमित्त मात्र हो, तुम अपना कर्तव्य करो। तुम अगर निष्काम कर्म करोगे तो परिणाम पाओगे। इसी तरह हम सब भी देश, समाज व परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करेंगे तो भारत को विकसित भारत और उत्तर प्रदेश को विकसित उत्तर प्रदेश बनने में कोई देर नहीं लगेगी। ह्यकर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचनह्व, श्रीकृष्ण कहते हैं कि कर्म करो, अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ो। बाकी चिंता हमारे कृष्ण कन्हैया करेंगे।

उन्होंने कहा कि हमारा देश स्वतंत्र है, तभी हम इतने स्वतंत्र माहौल में अपने पर्व और त्योहार मना पा रहे हैं। कल से लाखों की संख्या में श्रद्धालु मथुरा-वृंदावन आकर आस्था के साथ विभिन्न समारोहों और आयोजनों में भागीदार बन रहे हैं। आज हम शासन की सुविधाओं से जुड़े हैं और विकास की नई-नई परियोजनाओं का लाभ ले रहे हैं। नौजवान अपने जीवन और भविष्य के प्रति आश्वस्त है। हर बेटी बहन अपनी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त है। हर कारीगर और हर हस्तशिल्पी के मन में उद्यमी बनने का विश्वास है। इसी विश्वास को जगाने और हमें जोड़ने के लिए ये पर्व व त्योहार आते हैं। मुझे भी इसीलिए ब्रजभूमि में ह्यलालाह्व (बालकृष्ण) के दर्शन करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

पुलिस ने एफआईआर में जोड़ा एससी/एसटी एक्ट, इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज की जल्द होगी गिरफ्तारी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर जुलाई में आयोजित 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुए हिंसक हमले के मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ दर्ज एफआईआर में गैर-जमानती SC/ST (अत्याचार निवारण) अधिनियम जोड़ दिया है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है और उन्हें जल्द ही हिरासत में लिया जा सकता है। पुलिस कुमार का दोबारा मेडिकल टेस्ट कराने की भी योजना बना रही है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जांच अधिकारी तय करेंगे कि मामले में हत्या की कोशिश का आरोप भी जोड़ा जाए या नहीं। स्वतंत्र भारद्वाज पर प्रदर्शनकारी छात्रा निशु आजाद के पिता संजय कुमार के सिर पर जानलेवा हमला करने का आरोप है।

भारद्वाज का दावा है कि उन्होंने ₹आत्मरक्षा₹ में ऐसा किया, क्योंकि भीड़ उन्हें पीट-पीटकर मारने ही वाली थी। हालांकि, उन पर विरोध प्रदर्शन के दौरान कुमार के सिर पर वार करने और बाद में एक पॉडकास्ट पर इस घटना के बारे में डींगें मारने का आरोप है। वहीं, सौरव दास ने कहा कि वे बातचीत करने आए थे और पुलिस को कार्रवाई के लिए समय दे रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी न्याय चाहते हैं और अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती है तो वे वापस आएंगे। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों को खुलेआम घूमने नहीं दिया जाना चाहिए। संजय कुमार पर हमला 2026 NEET पेपर लीक के खिलाफ जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ था। इस घटना ने काफी ध्यान खींचा था और इसके बाद तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। निशु आजाद ने आरोप लगाया कि आंदोलन के दौरान इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज ने उनके पिता के साथ मारपीट की, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। उन्होंने दिल्ली पुलिस पर भारद्वाज के खिलाफ कार्रवाई न करने का आरोप लगाया और कहा कि इस मामले में त्र्फ्रभी दर्ज नहीं की गई थी। आजाद ने (पहले ट्विटर) पर एक मिनट का वीडियो भी पोस्ट किया और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मदद मांगी। उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें भारद्वाज उनके पिता के साथ मारपीट करते दिख रहे हैं। वीडियो में आजाद ने कहा कि भारद्वाज जैसे लोगों को कानून का कोई डर नहीं है और वे सड़कों पर ₹खुलेआम घूम रहे हैं₹। उन्होंने मांग की कि जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार किया जाए और राहुल गांधी से दखल देकर उन्हें न्याय दिलाने में मदद करने को कहा। इस बीच, CJP नेता सौरव दास और आशुतोष रांका पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पहुंचे और मांग की कि आजाद की शिकायत पर FIR दर्ज की जाए।

आसमान में भारत की 'आंख' तैनात! GSLV-F17 मिशन हुआ सफल

इसरो चीफ बोले- इस साल 6 और धाकड़ मिशन होंगे लॉन्च!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शुक्रवार को GSLV-F17 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए घोषणा की कि उन्नत अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट (EOS-05) को उसकी निर्धारित और आवश्यक कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। उन्होंने इसे देश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि करार देते हुए पुष्टि की कि उपग्रह पूरी तरह से सामान्य और ठीक स्थिति में काम कर रहा है। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरने के लगभग 18 मिनट बाद, एडर-05 सैटेलाइट को सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ISRO चीफ ने बताया कि यह भारत के इतिहास में पहली बार है जब किसी अर्थ ऑब्जर्वेशन उपग्रह को 36,000 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित जियो-प्लेटफॉर्म पर तैनात किया गया है। नारायणन ने कहा कि सैटेलाइट की तय लाइफटाइम सात साल है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि यह नौ साल तक काम करता रहेगा। उन्होंने कहा, ₹इस सैटेलाइट की अहमियत यह है कि यह पहला सैटेलाइट है जिसे हमारे देश के अर्थ ऑब्जर्वेशन मकसद और कई तरह के इस्तेमाल के लिए 36,000 km ऊँचे जियो-प्लेटफॉर्म पर लगाया जा रहा है। यह आज तक GSLV व्हीकल से लॉन्च किया गया सबसे भारी सैटेलाइट है... इस फाइनेंशियल ईयर में यह दूसरा सफल मिशन है।₹

'गगनयान मिशन पर जोर-शोर से काम चल रहा है'

मीडिया ब्रीफिंग के दौरान, नारायणन ने कहा कि इस कैलेंडर ईयर में पहले बिना क्रू वाले गगनयान मिशन पर ₹जोरदार और व्यवस्थित तरीके से₹ काम चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि ISRO इस फाइनेंशियल ईयर में छह और लॉन्च करने का लक्ष्य रख रहा है। उन्होंने कहा, ₹गगनयान एक टेक्नोलॉजी-बेस्ड मिशन है। आज तक, लगभग 8000 टेस्ट पूरे हो चुके हैं। दूसरे सैटेलाइट मिशन के उलट, इसमें इंसान शामिल हैं, इसलिए इंसानों की सुरक्षा बहुत जरूरी है। इसलिए, हमने तीन बिना क्रू वाले मिशन और उसके बाद क्रू वाले मिशन की योजना बनाई है।₹ एडवांस्ड अर्थ ऑब्जर्वेशन स्पेसक्राफ्ट, जो जियो-ऑर्बिट में भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है, उसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से GSLV रॉकेट के जरिए सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। स्पेसपोर्ट से उड़ान भरने के लगभग 18 मिनट बाद, एडर-05 सैटेलाइट को तय सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया। इस मिशन से जुड़े एक सीनियर साइंटिस्ट ने सैटेलाइट को ₹आसमान में मौजूद आंख₹ कहा है। यह सैटेलाइट रियल-टाइम तस्वीरें उपलब्ध कराएगा और कृषि व आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में देश की मदद करेगा।

पीएम नरेंद्र मोदी ने GSLV-F17 की सफलता पर इसरो को दी बधाई

- 'यह भारत की बढ़ती अंतरिक्ष क्षमताओं की झलक है' : नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा GSLV-F17 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर वैज्ञानिकों और पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने इस उपलब्धि को देश के लिए अत्यंत गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि यह मिशन भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की उत्कृष्ट कार्यक्षमता, नवाचार (इनोवेशन) और लगातार मजबूत होती क्षमताओं को रेखांकित करता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व में ट्विटर) पर एक संदेश साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि GSLV-F17 की यह सफलता न केवल ISRO के तकनीकी कौशल का प्रमाण है, बल्कि यह अंतरिक्ष एजेंसी और भारतीय उद्योग जगत के बीच गहरे होते सहयोग को भी उजागर करती है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखाः "ISRO की एक और शानदार उपलब्धि और हमारे देश के लिए गर्व का क्षण। भारत के पहले अर्थ इमेजिंग सैटेलाइट एडर-05 को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित करने वाले GSLV-F17 का सफल लॉन्च, भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की बेहतरीन कार्यक्षमता, इनोवेशन और बढ़ती क्षमताओं की झलक है।

कोलकाता में अचानक भरभराकर गिरी इमारत, सड़क पर मलबे का ढेर; राहत-बचाव अभियान जारी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर कोलकाता के श्यामपुकुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक इमारत का कुछ हिस्सा अचानक ढह गया। हादसा करीब दोपहर 1:30 बजे 66 राजा नबा कृष्ण स्ट्रीट पर हुआ। घटना की सूचना मिलते ही कोलकाता नगर निगम और डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

अधिकारियों ने घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया है। फिलहाल सड़क पर गिरे मलबे को हटाने का काम किया जा रहा है। KMC और डिजास्टर मैनेजमेंट की टीमें मिलकर राहत और बचाव अभियान चला रही हैं। फायर स्टेशन अधिकारी जयंतो ने बताया कि सड़क पर काफी मलबा पड़ा हुआ है, जिसे हटाने का काम जारी है। उन्होंने कहा कि DMG और KMC के कर्मचारी मिलकर हाईवे की तरफ से मलबा हटाने में जुटे हैं।

राम मंदिर की व्यवस्था संभालते ही सीईओ जितेंद्र मिश्रा का बड़ा बयान, राम भक्तों से मांगा समय और आशीर्वाद

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राम मंदिर ट्रस्ट के नए उएड बनने के बाद एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) जितेंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को राम भक्तों से समर्थन और आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की व्यवस्थाओं को समझने और नई रणनीति को लागू करने के लिए उन्हें थोड़ा समय दिया जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही उनकी योजनाओं के नतीजे जमीन पर दिखाई देने लगेंगे।

राम भक्तों से मांगा विश्वास और आशीर्वाद

ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बैठक के बाद जितेंद्र मिश्रा ने कहा कि राम भक्तों का विश्वास और आशीर्वाद उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपील की कि भक्तों का आशीर्वाद आगे भी उनके साथ बना रहे। उन्होंने कहा कि राम भक्तों के विश्वास के साथ वह ट्रस्ट की जिम्मेदारियों को आगे बढ़ाएंगे। साथ ही उन्होंने लोगों से कुछ समय देने की अपील की, ताकि व्यवस्थाओं में किए जाने वाले बदलावों को सही तरीके से लागू किया जा सके।

जितेंद्र मिश्रा को बुधवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का पहला उएड नियुक्त किया गया था। पद संभालने के बाद उन्होंने कहा कि फिलहाल वह ट्रस्ट की पूरी व्यवस्था और कामकाज को समझने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के सदस्यों से मुलाकात और राम मंदिर के दौरे के बाद उन्होंने अपनी योजनाओं को लागू करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है।

जितेंद्र मिश्रा ने कहा कि उनकी रणनीति के परिणाम आने वाले कुछ दिनों में दिखाई देने लगेंगे। बैठक के बारे में उन्होंने बताया कि इसमें अलग-अलग हितधारकों के साथ मिलकर काम करने और ट्रस्ट के काम को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित लोगों के साथ बेहतर तालमेल बनाना और ट्रस्ट की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

भगवान राम का जताया आभार

राम मंदिर ट्रस्ट की बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर जितेंद्र मिश्रा ने भगवान श्री राम के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी देकर अपनी कृपा की है और इससे बड़ी उपलब्धि उनके लिए और क्या हो सकती है।

राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक अयोध्या स्थित वैदेही भवन में हुई। इसमें ट्रस्ट के महासचिव गोविंद देव गिरि समेत कई सदस्य शामिल हुए। कुछ सदस्यों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में हिस्सा लिया।

हरियाणा में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल! 29 आईपीएस और 1 एचपीएस अधिकारी का तबादला, 5 जिलों के पुलिस कप्तान बदले

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा सरकार ने कानून-व्यवस्था को और चुस्त-दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। राज्य सरकार द्वारा जारी आधिकारिक आदेशों के अनुसार, 29 भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों और 1 हरियाणा पुलिस सेवा अधिकारी का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण व नियुक्ति कर दी गई है। इस फेरबदल के तहत 5 जिलों के पुलिस प्रमुखों को बदलने के साथ-साथ कई वरिष्ठ अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। नएस्थान तलाशें बृहस्पतिवार को जारी सरकारी आदेश के अनुसार, जिन आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है उनमें अमिताभ ढिल्लों भी शामिल हैं, जिन्हें अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी), आधुनिकीकरण और कल्याण के पद पर तैनात किया गया है। उन्हें आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस) के एडीजीपी और यातायात एवं राजमार्ग के एडीजीपी का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

संपादक की कलम

सर्वकालीन सम्मान के हकदार शिक्षक नेपथ्य में क्यों

ललित शर्मा
संपादक

वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी कहा है कि विद्यार्थियों में आनंद का भाव और ज्ञान के आनंद को पैदा करना शिक्षकों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण और कार्य है' डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अत्यंत सारगर्भित बात कही ₹कि शिक्षक वह नहीं है जो विद्यार्थी के दिमाग में तथ्यों को बोझ बनाएं बल्कि वास्तविक शिक्षक वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करें₹ द फिलॉसफी ऑफ ऑफ उपनिषद, ईस्ट वेस्ट सम रिफ्लेक्शंस, इंडियन फिलासफी, हिंदी व्यू ऑफ लाइफ जैसी गूढ किताबों की रचना करने वाले 40 वर्ष तक शिक्षक का कार्य सफलतापूर्वक निर्वहन करने के बाद 5 सितंबर को उनकी स्मृति मैं पूरे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। नैसर्गिक रुप से हर संतान की प्रथम शिक्षिका माता ही होती है। जीवन के संसार में प्रवेशके बाद प्रतीक ज्ञान की शालाओं के शिक्षको की भूमिका उसके संपूर्ण शिक्षकीय जीवन में छात्रों के लिए ज्ञान के दिग्दर्शन, देश के श्रेष्ठ नागरिक बनाने और मानविय संवेदनाओं को जीवन मे मार्गदर्शित करने की होती है' आज शिक्षा के निजीकरण के बाद शिक्षा एक व्यवसाय का रूप लेती नजर आ रही है, इसलिए शिक्षकों को व्यवहार में भी आमूल चूल परिवर्तन देखा गया और यही कारण है कि शिक्षकों के सम्मान एवं उन पर विश्वास में कुछ वर्षों में काफी कमी आई है ।शिक्षकों के सम्मान में आई इस कमी के लिए केवल छात्र, वर्तमान का भौतिक युग और अभिभावक ही दोषी नहीं है बल्कि शिक्षक भी इस में समान रूप से कहीं न कहीं दोषी पाए गए हैं। शिक्षक दिवस मनाने के उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों शिक्षकों के महत्व को बताते हुए उन्हें सम्मान देने के लिए प्रेरित करना है बल्कि शिक्षकों को उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्व का आभास भी करवाने के लिए शिक्षक दिवस मनाया जाता है। वैसे तो यह विदित है कि शिक्षक महोदय का कार्य अध्यापन करना होता है किंतु अध्यापन के उद्देश्य की पूर्ति तब ही हो सकती है जब इसके अतिरिक्त विद्यालय, महाविद्यालय की अनुशासन व्यवस्था में सहयोग करके शिष्टाचार का पालन अपने सहकर्मियों के साथ सकारात्मक व्यवहार एवं पाठ्यक्रम के अन्य क्रियाकलापों में भी अपनी सहभागिता, सहयोग रखना भी होता है' शिक्षकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह एक आदर्श रूप सदैव धारण किए रहे और अनुशासन, समय की प्रतिबद्धता एवं जितने भी कार्य का दायित्व उसे सौंपा जाए वह उसे 100% निष्ठा और कर्तव्य परायणता के साथ संपादित करें किन्तु हम यह भूल जाते हैं कि शिक्षक भी एक इंसान ही होता है वह हर कार्य में संपूर्ण रूप से खरा नहीं उतर सकता फिर ऐसे में किसी व्यक्ति से संपूर्ण रुप से आदर्श व्यक्ति होने की अपेक्षा रखना कितना न्यायोचित होगा । राष्ट्र के निर्माण में जिन शिक्षकों की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण होती है और नवोदित बालकों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक एवं राजनेता बनाते तक शिक्षक इनका दिग्दर्शन करते हैं को केवल एक दिन सम्मान देकर भूल जाना कतई उचित नहीं है. वैसे शिक्षक दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 5 अक्टूबर को मनाया जाता है और इसकी शुरूआत 1994 में यूनेस्को में की गई थी अमेरिका, चीन, इजराइल एवं अन्य यूरोपीय देशों में शिक्षक दिवस अलग-अलग दिवसों में मनाया जाता है' शिक्षक और शिक्षा एवं ज्ञान का बुनियादी स्वरूप किसी भी राष्ट्र की शक्ति एवं विकास का आधार स्तंभ होते हैं' किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए शिक्षा और शिक्षकों के महत्व को आत्मसात करते हुए शिक्षा के कार्य को सभी कार्यों से श्रेष्ठ समझ कर उसे सर्व कालीन सम्मान दिया जाना चाहिए, जबकि विकासशील देशों में भारत सहित शिक्षकों को वह स्थान नहीं दिया जा रहा है।

जौहर है हमारी शान

उदय कशोर साह

कविता

पूज्यनीय को उदय का प्रणाम
बड़े बुजुर्ग को मेरा है सम्मान
ज्ञान विज्ञान में भारत है महान
हर युग ने परखा हमारा ज्ञान

हम हैं विश्व शांति की पुजारी
सेवा धर्म में मुनि दधिचि भारी
आस्था है हमसब की जहान
पत्थर में भी देखते है भगवान

शौर्य गाथा से भरा इतिहास हमारा
भारतीय नारी में जौहर का सितारा
वीर सपूतों ने ली दुश्मन की। प्राण
जग में उत्तम माटी है मेरा हिन्दुस्तान

शुन्य की ईजाद हमने कर.दिखलाया
दशमलव का महत्व भी सबको बताया
बच्चे बच्चे में छुपा है ज्ञान की विज्ञान
विश्व गुरू है आदि काल से. पहचान

ज्ञानी बन वेद पुरान रच कर दिखलाया
संस्कार की सब जन को पाठ पढ़ाया
अज्ञानी को गुरूकूल ने दी विश्व को ज्ञान
हर युग में अवतरण हुएयहाँ पे विद्वान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

हर माँ घर लौटे - यही विकास की असली पहचान

प्रो. आरके जैन
लेखक

जब किसी माँ की जान बचती है, तो आँकड़े में एक संख्या घटती है, लेकिन किसी घर की पूरी दुनिया बच जाती है। 122 से 87 तक पहुँचा मातृ मृत्यु अनुपात इसी बदलाव का प्रमाण है। भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की सतत विकास लक्ष्य प्रगति रिपोर्ट 2026 के अनुसार, 2015-17 में प्रति लाख जीवित जन्म पर 122 माताओं की मृत्यु होती थी, जो 2022-24 में घटकर 87 रह गई। 35 की यह कमी महज गणित नहीं; यह हर एक लाख जीवित जन्म पर 35 माताओं के बचने का अर्थ है। देशभर में इससे हजारों परिवारों की दुनिया सुरक्षित हुई है। हर घटती संख्या के पीछे एक बची माँ की साँस, बच्चे की सलामत गोद और परिवार का सुरक्षित भविष्य है। कभी प्रसव की राह में अस्पताल से पहले मजबूरियाँ खड़ी मिलती थीं। अस्पताल दूर, सड़क खराब, वाहन का भरोसा नहीं और पैसों की तंगी अलग संकट थी। अंधविश्वास और रूढ़ मान्यताएँ प्रसव को इलाज नहीं, किस्मत के भरोसे छोड़ देती थीं। कई बार घर ही प्रसव कक्ष बनता और जटिलता बढ़ने पर मदद देर से पहुँचती। अब तस्वीर बदल रही है। नियमित जाँच, आयरन की गोलियाँ, संस्थागत प्रसव और जरूरत पर एम्बुलेंस ने मातृत्व को सुरक्षित किया है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और सुरक्षित मातृत्व अभियान ने भी यह भरोसा मजबूत किया है कि माँ को बचाना सुविधा नहीं, व्यवस्था की जिम्मेदारी है। इस बदलाव की जड़ें उन गाँवों की मिट्टी में हैं, जहाँ इलाज की दूरी धीरे-धीरे घटकर लोगों की चौखट तक आ गई है। तपती दोपहर हो या स्याह रात, आशा कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं तक पहुँचती हैं, जाँच के लिए प्रेरित करती हैं, खतरे के संकेत समझाती हैं और जरूरत पड़ने पर अस्पताल पहुँचाती हैं। आंगनवाड़ी केंद्र पोषण और जागरूकता की कड़ी बनते हैं। नर्सें प्रसव कक्ष में रात-दिन डटी रहती हैं, डॉक्टर सीमित साधनों में भी जीवन बचाने की जद्दोजहद करते हैं। इसलिए मातृ मृत्यु में कमी किसी एक विभाग की उपलब्धि नहीं, बल्कि

उन अनाम हाथों की साझा जीत है, जिन्होंने किसी माँ को मौत की देहरी तक पहुँचने से पहले थाम लिया।

मातृ मृत्यु का घटता आँकड़ा दरअसल समाज की बदलती दृष्टि की कहानी भी कहता है। गर्भवती को समय पर अस्पताल पहुँचाना केवल उपचार तक पहुँचना नहीं, उसके जीवन को महत्व देना है। शिक्षित महिला खतरे के संकेत पहचानती है, सक्षम परिवार इलाज टालता नहीं और जागरूक समाज अंधविश्वास के बजाय विज्ञान का साथ चुनता है। इसलिए मातृ मृत्यु अनुपात में गिरावट स्वास्थ्य क्षेत्र की उपलब्धि भर नहीं, सामाजिक चेतना के बदलते चेहरे का आईना भी है। महिला को सिर्फ संतान जन्म देने वाली देह न मानकर अधिकार, स्वास्थ्य और सम्मान से पूर्ण मनुष्य समझना ही इस परिवर्तन की असली नींव है। संस्थागत प्रसव का 90 प्रतिशत से ऊपर पहुँचना इस बदलाव की गहराई को रेखांकित करता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के 2023-24 के आँकड़े इसकी स्पष्ट पुष्टि करते हैं। मातृ मृत्यु का घटता आँकड़ा सुकून देता है, मगर सवाल भी छोड़ जाता है—क्या 87 पर संतोष किया जा सकता है? 87 अब भी शून्य नहीं है। हर मातृ मृत्यु के पीछे एक घर की बुझी रोशनी, एक बच्चे की सूनी गोद और एक पति के कंधों पर अचानक बढ़ा जिम्मेदारियों का बोझ है। इसलिए 122 से 87 तक पहुँचना बड़ी उपलब्धि है, पर इसे मंजिल मान लेना भूल होगी। विकास केवल मृत्यु अनुपात घटने पर संतुष्ट हो जाना नहीं; विकास तब सार्थक होगा, जब प्रसव के दौरान किसी माँ की मृत्यु असामान्य और अस्वीकार्य मानी जाए—जीवन की अनिवार्य कीमत नहीं। मातृत्व सुरक्षा की असली कसौटी वहीं सामने आती है, जहाँ सुविधा की आखिरी सीमा समाप्त हो जाती है। पहाड़ी इलाकों, दूर-दराज जिलों और गरीब बस्तियों में आज भी अस्पताल तक पहुँचना आसान नहीं है। कहीं एम्बुलेंस देर से आती है, कहीं रक्त बैंक में पर्याप्त रक्त नहीं मिलता और कहीं प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की कमी जटिल स्थिति को और गंभीर बना देती है। प्रसव की आपात स्थिति में कुछ मिनट भी जीवन-मृत्यु का फैसला कर सकते हैं। इसलिए योजनाएँ बनाना भर पर्याप्त नहीं; उनका ईमानदार क्रियान्वयन, मजबूत रेफरल व्यवस्था, पर्याप्त रक्त, प्रशिक्षित स्टाफ और तेज आपात सेवाएँ जरूरी हैं। आखिरी गाँव तक स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाए बिना मातृ मृत्यु को निर्णायक रूप से घटाना संभव नहीं होगा।

माँ को बचाने की जिम्मेदारी की पहली शर्त है—उसे अकेला न छोड़ना। गर्भावस्था और प्रसव को केवल महिला का दायित्व मानने वाली सोच बदलनी होगी। पति पत्नी की नियमित जाँच को उतनी ही गंभीरता से ले, जितनी किसी जरूरी पारिवारिक जरूरत को। सास बहू की कमजोरी को ह्यसामान्यह्न कहकर न टाले, डॉक्टर की सलाह माने। परिवार गर्भवती के पोषण, आराम और उपचार को खर्च नहीं, भविष्य में किया गया निवेश समझे। मातृत्व सुरक्षा तभी मजबूत होगी, जब समाज माने कि माँ को बचाने की जिम्मेदारी केवल माँ की नहीं—परिवार, समुदाय और शासन की भी है।

किसी देश की प्रगति का सबसे सच्चा प्रमाण तब मिलेगा, जब प्रसव के बाद हर माँ अपने नवजात को सीने से लगाए सकुशल घर लौटेगी। जीडीपी, ऊँची इमारतें, तकनीकी उपलब्धियाँ और आर्थिक विकास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन जीवन बचाने से बड़ा विकास का कोई पैमाना नहीं। 122 से 87 की यात्रा उम्मीद जगाती है, पर जिम्मेदारी भी बढ़ाती है। यह उन माताओं को मौन श्रद्धांजलि है, जो लौट नहीं सकीं, और आशा कार्यकताओं, आंगनवाड़ी कर्मियों, नर्सों, डॉक्टरों व परिवारों को सलाम है, जिन्होंने अनगिनत जिंदगियाँ बचाईं। अब 87 को पड़ाव नहीं, शून्य की ओर अगली छलांग की शुरूआत मानना होगा। क्योंकि एक माँ बचती है तो साथ में बच्चे का भविष्य, परिवार की धुरी और आने वाली पीढ़ी की उम्मीद बचती है।

विश्व व्यवस्था का विघटन: चुनौतियों के सामने अप्रासंगिक होती, संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान संरचना

एनके शर्मा
लेखक

द्वितीय विश्वयुद्ध की विभीषिका से जन्मी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था उस समय मानव सभ्यता की सबसे बड़ी आशा थी। युद्ध की राख से उठती दुनिया ने एक ऐसी संस्था की कल्पना की थी जो शक्ति के अहंकार पर कानून की सर्वोच्चता स्थापित करेगी, राष्ट्रों के बीच संवाद का सेतु बनेगी और आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की त्रासदी से बचाएगी। संयुक्त राष्ट्र का जन्म केवल एक अंतरराष्ट्रीय संस्था के रूप में नहीं, बल्कि उस सामूहिक संकल्प के रूप में हुआ था कि मानवता अपने विनाश को अपनी नियति नहीं बनने देगी। लेकिन आज, 21वीं सदी की जटिल और बहुध्रुवीय दुनिया के सामने वही प्रश्न फिर खड़ा है—क्या संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान संरचना उस विश्व का प्रतिनिधित्व करती है जिसमें हम आज जी रहे हैं, या वह अभी भी उस भू-राजनीतिक युग की कैद में है जो आठ दशक पहले समाप्त हो चुका?

विडंबना यह है कि दुनिया बदल गई, लेकिन वैश्विक शासन की मूल संरचना अपेक्षाकृत उसी जगह ठहरी हुई है। 1945 का शक्ति-संतुलन आज के विश्व-संतुलन से मौलिक रूप से भिन्न है। उस समय औपनिवेशिक साम्राज्य निर्णायक शक्ति थे; आज एशिया, अफ्रीका और वैश्विक दक्षिण की आवाज कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। उस समय अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा का केंद्र मुख्यतः पारंपरिक युद्ध था; आज साइबर युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, महामारी, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद, खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और डिजिटल संप्रभुता जैसी चुनौतियां मानवता के सामने खड़ी हैं। किंतु संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता और वीटो व्यवस्था आज भी मुख्यतः उस युद्धोत्तर शक्ति-संरचना का प्रतिबिंब है। सबसे बड़ी समस्या संयुक्त राष्ट्र की अवधारणा में नहीं, उसकी संरचनात्मक जड़ता में है। विश्व को एक ऐसी संस्था की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है जो सार्वभौमिक हो, लेकिन यदि उस संस्था के सबसे महत्वपूर्ण निर्णय तंत्र में विश्व की बदलती वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व नहीं होगा, तो उसकी वैधता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। जब दुनिया की बड़ी आबादी, विशाल अर्थव्यवस्थाएं और उभरती हुई शक्तियां वैश्विक निर्णय-प्रक्रिया में स्थायी प्रतिनिधित्व से वंचित हों, तब अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र केवल एक आदर्श वाक्य बनकर रह जाता है।

वीटो शक्ति इस संकट का सबसे स्पष्ट प्रतीक है। जिस व्यवस्था का उद्देश्य सामूहिक सुरक्षा सुनिश्चित करना था, वही व्यवस्था कई बार सामूहिक कार्रवाई को रोक देने की क्षमता कुछ देशों के हाथों में केंद्रित कर देती है। परिणाम यह होता है कि जहां किसी संकट पर तत्काल और निर्णायक अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप आवश्यक होता है, वहां भू-राजनीतिक हित, रणनीतिक गठबंधन और वीटो राजनीति मानव पीड़ा पर भारी पड़ जाते हैं। इससे संयुक्त राष्ट्र की नैतिक विश्वसनीयता ही नहीं, उसकी संस्थागत प्रभावशीलता भी क्षीण होती है। यह कहना भी उचित नहीं होगा कि संयुक्त राष्ट्र विफल संस्था है। इसके विपरीत, शांति स्थापना, मानवीय सहायता, शरणार्थी संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, बाल अधिकार और अंतरराष्ट्रीय कानून के विकास में उसकी भूमिका ऐतिहासिक रही है। समस्या यह है कि संयुक्त राष्ट्र के जिन अंगों ने मानवता के कल्याण में उल्लेखनीय योगदान दिया है, उनकी उपयोगिता और सुरक्षा परिषद की राजनीतिक संरचना के बीच एक गहरी असमानता दिखाई देती है। दुनिया को संयुक्त राष्ट्र से मुक्ति नहीं, बल्कि उसके पुनर्निर्माण की आवश्यकता है। आज विश्व एक नए बहुध्रुवीय युग में प्रवेश कर चुका है। शक्ति अब केवल सैन्य क्षमता से निर्धारित नहीं होती। आर्थिक शक्ति, तकनीकी श्रेष्ठता, सेमीकंडक्टर आपूर्ति-श्रृंखला, ऊर्जा संसाधन, डेटा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष क्षमता, समुद्री व्यापार, वित्तीय संस्थान और डिजिटल अवसंरचना—ये सभी आधुनिक शक्ति के नए आयाम हैं। ऐसे समय में यदि वैश्विक संस्थाएं केवल बीसवीं सदी के राजनीतिक समीकरणों को प्रतिबिंबित करती रहेंगी, तो उनकी प्रासंगिकता स्वाभाविक रूप से क्षीण होगी। जलवायु संकट इस विडंबना को और गहरा करता है। वातावरण किसी देश की सीमा पर रुकता नहीं। समुद्र का बढ़ता स्तर पासपोर्ट नहीं देखता। महामारी किसी सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव की प्रतीक्षा नहीं करती। साइबर हमला यह नहीं पूछता कि लक्ष्य राष्ट्र किसी सैन्य गठबंधन का सदस्य है या नहीं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अनियंत्रित उपयोग पूरी मानव सभ्यता के लिए अवसर भी बन सकता है और जोखिम भी। लेकिन इन वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए जिस स्तर की सामूहिक राजनीतिक इच्छाशक्ति चाहिए, वह वर्तमान संस्थागत व्यवस्था में बार-बार कमजोर पड़ती दिखाई देती है। इस संकट का एक और गंभीर पक्ष है—विश्वास का क्षरण। विकासशील और वैश्विक दक्षिण के अनेक देशों में यह धारणा मजबूत हुई है कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के नियम सार्वभौमिक होने के बजाय अक्सर शक्ति-संपन्न देशों के हितों के अनुरूप व्याख्यायित होते हैं। यदि अंतरराष्ट्रीय कानून का अनुप्रयोग परिस्थितियों और शक्तिसंतुलन के अनुसार बदलता हुआ दिखाई दे, तो कानून की नैतिक प्रतिष्ठा कमजोर होती है। नियम-आधारित विश्व व्यवस्था तभी टिक सकती है जब नियमों की विश्वसनीयता उनके सार्वभौमिक और समान अनुप्रयोग से सिद्ध हो। भारत सहित वैश्विक दक्षिण की बढ़ती भूमिका इसी परिवर्तन का संकेत है। भारत की जनसंख्या, अर्थव्यवस्था, तकनीकी क्षमता, अंतरिक्ष कार्यक्रम, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और वैश्विक कूटनीतिक पहुंच उसे केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक शासन में एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती है। फिर भी सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता में भारत जैसे देशों का अभाव उस प्रतिनिधित्व संकट को उजागर करता है जिसे अब अनदेखा करना कठिन होता जा रहा है। यदि संयुक्त राष्ट्र को वास्तव में सार्वभौमिक संस्था बने रहना है तो उसकी निर्णयकारी संरचना को वर्तमान विश्व की वास्तविक शक्ति, जनसंख्या और क्षेत्रीय विविधता के अनुरूप विकसित करना होगा। लेकिन सुधार केवल स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। वीटो के प्रयोग पर पारदर्शिता, सामूहिक सुरक्षा तंत्र की जवाबदेही, महासभा की भूमिका का सुदृढ़ीकरण, शांति अभियानों की क्षमता, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं के साथ बेहतर समन्वय और नई तकनीकों के वैश्विक नियमन के लिए प्रभावी संस्थागत ढांचा—इन सब पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र को केवल राष्ट्रों का मंच नहीं, बल्कि मानवता की साझा समस्याओं का समाधान खोजने वाला प्रभावी वैश्विक तंत्र बनना होगा। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या शक्तिशाली राष्ट्र अपने विशेषाधिकारों को साझा करने के लिए तैयार होंगे? इतिहास बताता है कि कोई भी प्रभुत्वशाली व्यवस्था स्वेच्छा से अपने अधिकारों का त्याग नहीं करती।

शिक्षक : भविष्य की दिशा और शिक्षा का नया स्वरूप

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

शिक्षा का स्वरूप आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है, वैसा परिवर्तन शायद पहले कभी देखने को नहीं मिला। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन शिक्षण, आभासी कक्षाएँ और नई शिक्षण पद्धतियाँ सीखने की प्रक्रिया को नया आकार दे रही हैं। बच्चे आज किसी भी विषय की जानकारी कुछ ही क्षणों में प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब ज्ञान और सूचना इतनी सहजता से उपलब्ध है, तब शिक्षक की भूमिका क्या रह जाएगी? वास्तव में तकनीक के विस्तार ने शिक्षक की भूमिका को कम नहीं किया, बल्कि उसे और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। आने वाले समय में शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि जीवन-द्रष्टा, मार्गदर्शक, प्रेरक और मानवीय मूल्यों के संरक्षक होंगे। परम्परागत रूप से शिक्षक की भूमिका पुस्तकों और पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन तक मानी जाती रही है। लेकिन आज यह भूमिका कहीं व्यापक हो चुकी है। शिक्षक विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए तैयार करना पर्याप्त नहीं है। उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करना, सही और गलत के बीच अंतर समझना, असफलताओं से सीखना, दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना और कठिन परिस्थितियों में संतुलित निर्णय लेना भी सिखाना आवश्यक है। डिजिटल युग ने ज्ञान की सीमाएँ लगभग समाप्त कर दी हैं। इंटरनेट और डिजिटल मंचों ने सूचना का विशाल संसार विद्यार्थियों के हाथों में पहुँचा दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही सेकंड में किसी प्रश्न का उत्तर दे सकती है। लेकिन सूचना और ज्ञान में अंतर है तथा ज्ञान और विवेक में उससे भी बड़ा अंतर है। किसी प्रश्न का उत्तर जान लेना अलग बात है और उस उत्तर का जीवन में उचित उपयोग करना अलग। तकनीक जानकारी उपलब्ध करा सकती है, पर उसका विवेकपूर्ण उपयोग, नैतिकता और मानवीय दृष्टिकोण शिक्षक ही विकसित कर सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव और रोबोटिकी तथा स्वचालन के विस्तार के साथ रोजगार और कौशल की दुनिया भी बदल रही है। आने वाले वर्षों में अनेक पारम्परिक कार्यों का स्वरूप बदलेगा। ऐसे समय में शिक्षा की चुनौती केवल यह नहीं होगी कि विद्यार्थी क्या जानते हैं, बल्कि यह भी होगी कि वे बदलती परिस्थितियों के अनुसार कितना सीख सकते हैं, कितना सोच सकते हैं और समस्याओं का समाधान किस प्रकार कर सकते हैं।

शिक्षक दिवस क्यों मनाया जाता है?

मुहम्मद परवेज अख्तर

भारत में हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस देश के दूसरे राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है ।शिक्षक दिवस मनाने का मुख्य कारणडॉ. राधाकृष्णन का जन्म: डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था। वे एक महान दार्शनिक, शिक्षक और भारत के दूसरे राष्ट्रपति थे। सन 1962 में जब वे राष्ट्रपति बने, तब उनके कुछ छात्रों और मित्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा जताई। डॉ. राधाकृष्णन ने कहा कि मेरा जन्मदिन अलग से मनाने के बजाय, यदि 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए, तो यह मेरे लिए ज्यादा गर्व की बात होगी। तभी से हर साल 5 सितंबर का दिन शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करने, उनके समर्पण को सम्मान देने और समाज में शिक्षा के महत्व को रेखांकित करने के लिए मनाया जाता है।

शिक्षक का महत्व

हमारे जीवन और समाज को गढ़ने में शिक्षक का स्थान सर्वोच्च और अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक का महत्वज्ञान और मार्गदर्शन: शिक्षक अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं और जीवन के हर मोड़ पर सही मार्गदर्शन करते हैं। वे विद्यार्थियों में अनुशासन, नैतिकता, सदाचार और मानवीय मूल्यों का संचार करते हैं। एक अच्छा शिक्षक बच्चों की झिझक और डर को दूर कर उनमें आत्मविश्वास जगाता है ताकि वे हर मुश्किल का सामना कर सकें ।समाज और राष्ट्र निमार्ता: शिक्षक ही योग्य नागरिकों, भविष्य के नेताओं और विचारकों को तैयार कर एक सशक्त समाज व राष्ट्र की नींव रखते हैं। अपने शिक्षकों का सम्मान करना हमारा नैतिक कर्तव्य है क्योंकि वे हमें अज्ञान से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं और जीवन को सही दिशा देते हैं ।शिक्षकों का सम्मान क्यों जरूरी है? शिक्षक हमें केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। वे विद्यालय में हमारे माता-पिता की तरह हमारा ध्यान रखते हैं और हमें एक बेहतर इंसान बनाते हैं ।भविष्य का निमार्ण: उनकी मेहनत और समर्पण से ही हमारे उज्जवल भविष्य की नींव पड़ती है ।शिक्षक के प्रति सम्मान दिखाने के तरीकेकक्षा में उनकी बात को ध्यान से सुनें और समझें ।अपना गृहकार्य (होमवर्क) समय पर पूरा करें। हमेशा उनका आदर करें और मिलने पर अभिवादन करें। भारतीय संस्कृति और समाज में शिक्षक का स्थान (माता-पिता के बाद) माना गया है। शिक्षक केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिकता, संस्कार और मानवीय मूल्यों का संचार करते हैं। अंधकार से प्रकाश की ओर: 'गु' का अर्थ है अंधकार और 'रु' का अर्थ है प्रकाश; शिक्षक हमारे भीतर के अज्ञान को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। शिक्षक बच्चों के सबसे अच्छे मार्गदर्शक होते हैं जो उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के योग्य बनाते हैं। प्राचीन काल से लेकर आज तक, गुरु या शिक्षक का पद समाज में सबसे सर्वोच्च और आदरणीय माना गया है। डॉ. नवाज देवबंदी का उस्ताद के सम्मान में कहा गया यह प्रसिद्ध शेर बेहद लोकप्रिय है :₹जूते सीधे कर दिए थे एक दिन उस्ताद के,उसका बदला ये मिला तकदीर सीधी हो गई ।₹यह शेर उस्ताद (गुरु) के प्रति सम्मान और सेवा के महत्व को बहुत ही खूबसूरत और असरदार तरीके से बयान करता है।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने नगीना में किया आतिशबाजी की दुकानों एवं फैक्ट्रियों का निरीक्षण

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने पुलिस अधीक्षक के के बिश्नोई तथा अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ तहसील नगीना क्षेत्र में आतिशबाजी एवं पटाखों का क्रय-विक्रय करने वाली दुकानों तथा फैक्ट्रियों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ दुकानों एवं फैक्ट्रियों में सुरक्षा मानकों, लाइसेंस तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच की और नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जिलाधिकारी ने कहा कि आतिशबाजी एवं पटाखों के क्रय-विक्रय तथा निर्माण में सुरक्षा मानकों का पालन अत्यंत आवश्यक है। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आतिशबाजी से संबंधित सभी प्रतिष्ठानों की नियमित रूप से जांच की जाए तथा निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए जिलाधिकारी ने कहा कि संयुक्त टीम गठित कर जनपद की समस्त आतिशबाजी एवं पटाखों का क्रय-विक्रय करने वाली दुकानों तथा फैक्ट्रियों की जांच कराई जाएगी। जांच के दौरान लाइसेंस, सुरक्षा व्यवस्था, भंडारण एवं अन्य निर्धारित मानकों का विशेष रूप से परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए संबंधित अधिकारियों को सतर्कता एवं तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

सुरक्षा उपकरणों की जांच: दुकानों और फैक्ट्रियों में अग्निशामक यंत्रो, पानी व रेत से भरी बाल्टियों की उपलब्धता और उनकी स्थिति को परखा गया।

लाइसेंस और स्टॉक का मिलान: आतिशबाजी व्यवसायियों के वैध लाइसेंस, स्वीकृत विस्फोटक क्षमता और गोदाम में रखे वास्तविक स्टॉक का मिलान किया गया। अग्निशमन मानकों का अनुपालनः यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि निर्माण स्थल और दुकानों के आसपास कोई भी ज्वलनशील सामग्री या खुला बिजली का तार न हो। आवासीय क्षेत्रों से दूरीः घनी आबादी वाले इलाकों में पटाखों का अवैध भंडारण या बिक्री रोकने के लिए अधिकारियों को सख्त गश्त करने के आदेश दिए गए।

जिलाधिकारी का बयान: डीएम ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में जन-धन की हानि नहीं होने दी जाएगी। सुरक्षा मानकों से खिलवाड़ करने वाले, बिना लाइसेंस के पटाखे बेचने वाले या निर्धारित क्षमता से अधिक भंडारण करने वाले व्यवसायियों के खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान केवल चिन्हित और सुरक्षित स्थलों पर ही अस्थायी दुकानें लगाने की अनुमति दी जाएगी।

ग्राम पंचायत झरूआ में 4.76 लाख रूपये के भुगतान पर सवाल , 60 किमी0 दूर की फर्म को भुगतान देने का दावा

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड बढ़नी के ग्राम पंचायत झरूआ में नाली निर्माण, साफ-सफाई और कम्प्यूटर खरीद सहित विभिन्न मदों में करीब ₹4,76,289 के भुगतान का मामला प्रकाश में आया है। ऑनलाइन भुगतान विवरण के सामने आने के बाद इन भुगतानों की पारदर्शिता और जमीनी हकीकत को लेकर सवाल उठ रहे हैं। भुगतान विवरण के मुताबिक शिवकरन के घर से सीताराम के घर तक नाली निर्माण के लिए ₹88,558 तथा जीतेन्द्र के घर से इमरान के घर तक नाली निर्माण के लिए ₹38,803 का भुगतान दशार्या गया है। वहीं दूसरे भुगतान में आकाश ट्रेडर्स को भुगतान किया गया है। स्थानीय स्तर पर दावा किया जा रहा है कि यह फर्म ग्राम पंचायत झरूआ से करीब 60 किलोमीटर दूर है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि सम्बंन्धित फर्म से वास्तव में सामग्री की आपूर्ति हुई थी या भुगतान केवल अभिलेखों के आधार पर किया गया। हालांकि इसकी पुष्टि विभागीय जांच और फर्म के भौतिक सत्यापन से ही हो सकेगी। आपको बता दें कि मजदूरी भुगतान भी जांच के घेरे में है। वहीं पिछले करीब पांच वर्षों में मजदूरी के नाम पर चार लोगों के खातों में भुगतान किये जाने की बात भी सामने आ रही है। सवाल यह है कि सम्बंन्धित व्यक्तियों ने वास्तव में ग्राम पंचायत के कार्यों में मजदूरी की थी या नहीं और भुगतान किस आधार पर किया गया। अब पूरे मामले में एमबी, मस्टररोल, बिल-वाउचर, कार्य स्वीकृति, एस्टीमेट, सामग्री खरीद एवं फर्म के पंजीकरण की जांच महत्वपूर्ण हो गई है। ₹4.76 लाख से अधिक के भुगतान की वास्तविकता क्या है? क्या मौके पर उतना ही काम हुआ है जितना अभिलेखों में दशार्या गया है? क्या आकाश ट्रेडर्स ने वास्तव में सामग्री की आपूर्ति की और मजदूरी भुगतान पाने वाले चारों व्यक्तियों ने कार्य किया था? इन सवालों का जवाब निष्पक्ष स्थलीय एवं अभिलेखीय जांच के बाद ही सामने आयेगा।

कृष्ण जन्माष्टमी पर सांसद ने थानों में पहुंचकर की पूजा-अर्चना

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न थानों में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों के क्रम में सांसद जगदम्बिका पाल ने थाना कोतवाली सिद्धार्थनगर एवं थाना कोतवाली जोगिया पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सांसद ने भगवान श्रीकृष्ण से लोकसभा क्षेत्र सहित जनपदवासियों के सुख, शांन्ति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भारतीय संस्कृति, आस्था और सनातन परम्परा का महत्वपूर्ण पर्व है। भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म की स्थापना, सत्य के मार्ग पर चलने और समाज में न्याय एवं सद्भाव का संदेश दिया। हमें उनके जीवन और शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर समाज में प्रेम, भाईचारा और सौहार्द को मजबूत करना चाहिए। सांसद के थाने पहुंचने पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान थाना कोतवाली सिद्धार्थनगर के प्रभारी निरीक्षक नवीन सिंह तथा थाना कोतवाली जोगिया के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मण्डल प्रभारी विपिन सिंह, अजय उपाध्याय, मीडिया प्रभारी रमेश मणि, मोरारी सिंह, दिलीप सिंह सहित थानों के सब-इंस्पेक्टर, सिपाही एवं अन्य कर्मचारी गण उपस्थित रहे। वहीं जन्माष्टमी के अवसर पर थानों में भक्ति एवं उल्लास का वातावरण रहा।

नजीबाबाद क्षेत्र के ग्राम गाजीपुर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दो मजदूरों की मौके पर ही मौत

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। नजीबाबाद थाना नजीबाबाद क्षेत्र के ग्राम गाजीपुर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और परिजनों में कोहराम मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, समून और कादिर रोजाना की तरह अपनी बाइक पर सवार होकर मजदूरी करने जा रहे थे। जैसे ही वे ग्राम गाजीपुर के समीप पहुंचे, तभी सामने से आ रही एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों उछलकर सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही नजीबाबाद थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करते हुए दोनों मृतकों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में शामिल कार और उसके चालक को हिरासत में ले लिया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस दुखद घटना के बाद से मृतकों के परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई है।

मानवेन्द्र प्रताप सिंह बने शोहरतगढ़ के तहसीलदार

वेलकम इंडिया संवाददाता

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर में प्रशासनिक फेरबदल के चलते शोहरतगढ़ तहसील को नया तहसीलदार मिला है। जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद जारी आदेश के अनुसार मानवेन्द्र प्रताप सिंह को शोहरतगढ़ का तहसीलदार नियुक्त किया गया है। वह इससे पहले सिद्धार्थनगर तहसील में तहसीलदार के पद पर कार्यरत थे। वहीं शोहरतगढ़ के तहसीलदार रहे प्रकाश सिंह यादव को तहसीलदार (न्यायिक) शोहरतगढ़ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा सिद्धार्थनगर के तहसीलदार शेखर शुक्ला को तहसीलदार बांसी बनाया गया है, जबकि बांसी के तहसीलदार पीयूष कुमार श्रीवास्तव को तहसीलदार (न्यायिक) बांसी की जिम्मेदारी दी गई है।

हापुड़ देहात में विश्व हिंदू परिषद ने मनाया स्थापना दिवस, सामाजिक समरसता और हिंदू एकता पर दिया गया जोर

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर हापुड़ देहात क्षेत्र के ग्राम मुदाफरा एवं असौड़ा में कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं कार्यकताओं ने प्रतिभाग किया।ग्राम मुदाफरा में मुख्य वक्ता जिला अध्यक्ष ओमवीर नागर ने विश्व हिंदू परिषद की स्थापना वर्ष 1964 में किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जानकारी दी। उन्होंने संगठन के कार्यों एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक समरसता और हिंदू एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए जिला धमार्चार्य प्रमुख दीपक त्यागी ने लव जिहाद और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर अपने विचार रखे तथा लोगों को जागरूक रहने का आह्वान किया।वहीं ग्राम असौड़ा में जिला उपाध्यक्ष गिरीश त्यागी ने सभा को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद की स्थापना की पृष्ठभूमि और उसके उद्देश्यों पर चर्चा की। कार्यक्रम में विकास त्यागी जिला विधि प्रकोष्ठ प्रमुख, दुर्गा वाहिनी की सह संयोजिका विधि त्यागी, प्रदीप शर्मा वैद्य, मुकुल, रामनरेश, चंद्रपाल, ऋषभ, सौरव, बालकिशन सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

डीएम नें पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किया फ्लैग मार्च

वेलकम इडिया/महमूद रजा

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने तहसील नगीना क्षेत्र में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ फ्लैग मार्च कर कानून-व्यवस्था का जायजा लिया। जन्माष्टमी एवं आगामी जुलूस के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। फ्लैग मार्च के दौरान जिलाधिकारी ने संवेदनशील एवं प्रमुख स्थानों का भ्रमण कर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्व एवं जुलूस के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं। साथ ही असामाजिक एवं शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखते हुए उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में सभी धार्मिक पर्व एवं आयोजनों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने आमजन से भी शांति एवं सौहार्द बनाए रखने तथा प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। फ्लैग मार्च में पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई एवं पुलिस व प्रशासन के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। **सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण:** डीएम और एसपी ने संवेदनशील चौराहों, भीड़भाड़ वाले बाजारों और धार्मिक स्थलों के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था परखी। अधिकारियों को सख्त निर्देशः जिलाधिकारी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को अलर्ट रहने, पैनी नजर रखने और किसी भी संदिग्ध स्थिति से तुरंत निपटने के निर्देश दिए।

अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई: असामाजिक और शरारती तत्वों को चेतावनी देते हुए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।जनता से सहयोग की अपीलः जिला प्रशासन ने स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों से बातचीत कर उनसे शांति व सौहार्द बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की।

इं. मनोज कुमार अध्यक्ष, इं.अंकित कुमार कपासिया उप महासचिव हुए निर्वाचित घोषित

सिविल डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ, सिंचाई विभाग उ.प्र. का त्रयोदशम मण्डलीय अधिवेशन हुआ सम्पन्न

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

मुरादाबाद। सिविल डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ, सिंचाई विभाग उ.प्र. का त्रयोदशम मण्डलीय अधिवेशन भव्यता के साथ रेलवे मनोरंजन सदन, कम्पनी बाग मुरादाबाद में आयोजित किया गया। आयोजन में मुरादाबाद मण्डल के जनपद मुरादाबाद, बिजनौर, संभल, रामपुर एवं अमरोहा के सिविल डिप्लोमा इंजीनियर्स ने बड़ी तादाद में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के आंतरिक सत्र में सिविल डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष इं. नितेन्द्र श्रीवास्तव तथा खुले सत्र में मुख्य अभियंता (पूर्वी गंगा) इं. शरद कुमार सिंह बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में सि.डि.इ.ए के प्रान्तीय सलाहकार एवं नि.व.राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ इं.सुधीर पंवार , संरक्षक इं.ओ.पी.राय, प्रान्तीय महासचिव राकेश कुमार यादव की मौजूदगी में कार्यक्रम शान्तिपूर्वक एवं निर्विवाद सम्पन्न हुआ।

खुले सत्र की समाप्ति उपरान्त मण्डलीय कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया सम्पादित कराई गई। निर्वाचन अधिकारी इं प्रदीप कुमार शुक्ल एवं सह निर्वाचन अधिकारी इं. रविन्द्र कुमार की मौजूदगी में निर्वाचन कराया गया। निर्वाचन में इं मनोज कुमार अध्यक्ष, इं.अंकित कुमार कपासिया उप महासचिव, इं.अनुराग भटनागर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, इं. पुरेन्द्र शर्मा उपाध्यक्ष, इं. विनेश कुमार प्रचार सचिव, इं. अमित कुमार लेखा संप्रेक्षक, महनाज बी संगठन सचिव, नरेश कुमार शर्मा वित्त सचिव निर्वाचित घोषित किए गए।

कार्यक्रम में अतिरिक्त महासचिव पश्चिमांचल इं. डी. डी. धारिया, प्रान्तीय वित्त सचिव प्रदीप कुमार शुक्ल, सचिव हितैषता निधि इं.यासिर अराफात, सह प्रचार प्रसार इं. कृष्ण कुमार सिंह, मण्डलीय एवं जनपदीय पदाधिकारी मनोज कुमार मानव, कविराज सिंह, जगवीर सिंह, योगेन्द्र कुलश्रेष्ठ आदि मौजूद रहे। नव निर्वाचित कार्यकारिणी को पद एवं संघ के संविधान के प्रति समर्पित रहने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में पूर्व मण्डल अध्यक्ष इं.राकेश कुमार, इं. नवीन शर्मा, इं. देवेन्द्र कुमार शर्मा, इं.चन्द्रकुश चौहान, इं.गजेंद्र सिंह, इं.नासिर हुसैन, इं. गौरव कुमार, इं.विनीत सिंह, इं.अर्पित गुप्ता, इं.विरेन्द्र कुमार, इं.नीरज कुमार, इं. नितिन कुमार, इं.केशोचन्द्र नागर, इं. शिवेन्द्र भारद्वाज, इं.नरेश कुमार, इं.रंजन भारद्वाज, इं.सत्येंद्र कुमार सिंह, इं. मयंक कुमार, इं.अनुराग भटनागर, इं.अरूण कुमार त्यागी, इं. दिनेश कुमार, इं.अरविन्द कुमार, इं. विकास कुमार, इं.सोनवीर सिंह एवं इं. अमजद अली आदि का सराहनीय योगदान रहा।

जन्माष्टमी पर विवेक हॉस्पिटल में गूंजी 4 नन्हीं किलकारियां

उचित खर्चे पर आधुनिक एवं गुणवत्ता चिकित्सा मिलने से लगातार बढ़ रहे मरीज

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

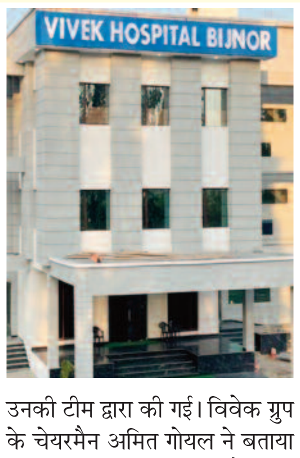

बिजनौर। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर विवेक मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल , बिजनौर में खुशियों की किलकारियां गूंज उठीं। इस शुभ दिन अस्पताल में 4 नवजात शिशुओं ने जन्म लिया, जिससे चार परिवारों के लिए जन्माष्टमी का पर्व जीवनभर याद रहने वाला विशेष अवसर बन गया। परिजनों ने नन्हे मेहमानों के आगमन पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद बताया। किसी परिवार में बेटे तो किसी में बेटी के आगमन से जन्माष्टमी की खुशियां कई गुना बढ़ गईं। अस्पताल में प्रसव एवं गर्भवती महिलाओं की देखभाल स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. श्वेता सिंह के नेतृत्व में की गई। जन्म के तुरंत बाद नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य की जांच एवं आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सच्चिदानंद एवं उनकी टीम द्वारा की गई। विवेक ग्रुप के चेयरमैन अमित गोयल ने बताया कि गर्भावस्था एवं प्रसव के दौरान मां और शिशु दोनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। प्रत्येक मरीज की स्थिति के अनुसार आवश्यक जांच, विशेषज्ञ परामर्श और मेडिकल मॉनिटरिंग की व्यवस्था एक ही छत के नीचे उपलब्ध होने से जरूरत पड़ने पर समय पर चिकित्सकीय सहायता दी जा सकती है। अस्पताल में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, बाल रोग विभाग, आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, डायग्नोस्टिक सुविधाएं, पैथोलॉजी तथा 24 घंटे इमरजेंसी सेवाओं की उपलब्धता से मरीजों को अलग-अलग स्थानों पर जाने की आवश्यकता कम होती है। चूँकि विवेक में चिकित्स्कों की एक बड़ी टीम उपलब्ध है अतः आपात स्थिति अथवा उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था में आवश्यकता पड़ने पर अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों का सहयोग भी उपलब्ध कराया जाता है। अस्पताल का प्रयास है कि बिजनौर एवं आसपास के परिवारों को गुणवत्तापूर्ण मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं अपने ही जिले में उचित खर्च पर उपलब्ध हो सकें। विवेक मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर से सभी चार नवजात शिशुओं एवं उनके माता-पिता को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

नव नियुक्त बिसरख थाना प्रभारी से भाकियू एकता शक्ति के प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को एडवोकेट अक्षित शर्मा एवं अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष आबिद खान के नेतृत्व में नव नियुक्त थाना प्रभारी बिसरख से शिष्टाचार भेंट की मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े विषयों पर थाना प्रभारी से सकारात्मक एवं सौहार्दपूर्ण चर्चा की। संगठन के पदाधिकारियों ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने तथा आम नागरिकों और किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान की आवश्यकता पर भी चर्चा की। इस अवसर पर संगठन की ओर से नव नियुक्त थाना प्रभारी को संगठन का सम्मान चिन्ह भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।प्रतिनिधिमंडल में युवा राष्ट्रीय महासचिव नितिन पंडित, मेरठ मंडल अध्यक्ष गौरव त्यागी, पंकज त्यागी, बिरेज यादव सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास जताया कि नव नियुक्त थाना प्रभारी के नेतृत्व में क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा जनता एवं किसानों की समस्याओं के प्रभावी समाधान की दिशा में सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे। भाकियू एकता शक्ति ने कहा कि संगठन जनहित एवं किसान हित के मुद्दों को लेकर प्रशासन के साथ सकारात्मक संवाद एवं सहयोग जारी रखेगा।

टांडा में क्षेत्रीय कार्यालय का हुआ उद्घाटन, कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर किसानों को संगठन से जोड़ने का आह्वान

वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा (रामपुर)। नगर में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन शुक्रवार को प्रदेश महासचिव हसीब अहमद एवं जिलाध्यक्ष दरबारी लाल शर्मा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। प्रदेश महासचिव हसीब अहमद ने कहा कि किसानों की सबसे बड़ी ताकत उनकी एकजुटता है। किसानों की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने कार्यकताओं से किसानों के बीच लगातार सक्रिय रहकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष दरबारी लाल शर्मा ने कार्यकताओं को नई जिम्मेदारी देते हुए घर-घर जाकर किसानों से संपर्क करने और उन्हें भारतीय किसान यूनियन से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत गांव और किसान के बीच है। कार्यकर्ता केवल कार्यालय तक सीमित न रहें, बल्कि खेत-खलिहान और गांव-गांव तक पहुंच बनाकर किसानों की समस्याओं को समझें और उनकी आवाज को संगठन के माध्यम से उठाएं। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष मजहर अली लाला, नगर मंत्री जमीर अहमद, युवा नगर अध्यक्ष फरीद खां, तहसील अध्यक्ष मुर्शद प्रधान, जिला संगठन मंत्री साबिर अली, भूरा खान, कारी अफसर, मोहम्मद हारून, नाजिम फरीदी, शिवा चंद्रा, रियासत अली, हिफजुर्रहमान, सगीर अहमद, शमीम खान, अरुण, हुकम सिंह, हरप्रसाद, शांति, राजेश और नरेश आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने 'मनोरमा कृषि रक्षक' एप का किया शुभारंभ

किसानों और स्वयं सहायता समूहों को एक ही डिजिटल मंच पर मिलेंगी मौसम, फसल, बाजार और कृषि संबंधी सुविधाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में मनोरमा डबराल जन कल्याण समिति द्वारा विकसित किसान-केंद्रित मोबाइल एप 'मनोरमा कृषि रक्षक' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एप को किसानों और स्वयं सहायता समूहों के लिए उपयोगी पहल बताते हुए समिति के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग किसानों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। किसानों को समय पर मौसम, फसल और बाजार से जुड़ी सही जानकारी उपलब्ध होने से वे बेहतर निर्णय ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से कृषि संबंधी आवश्यक जानकारियों और सेवाओं को किसानों तक आसानी से पहुंचाने में इस तरह की पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 'मनोरमा कृषि रक्षक' एप को किसानों की व्यावहारिक जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। एप के माध्यम से किसानों को वास्तविक समय की मौसम संबंधी जानकारी और अलर्ट उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही विभिन्न फसलों के अनुसार कृषि सलाह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फसल रोग पहचान, कृषि एवं बाजार से जुड़ी जानकारी जैसी सुविधाएं भी एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध कराई जाएंगी। एप में किसानों के लिए परिवहन और लॉजिस्टिक्स से संबंधित सुविधाओं को भी शामिल किया गया है। इसके माध्यम से कृषि उत्पादों को खेत से बाजार तक पहुंचाने से जुड़ी आवश्यक जानकारी और डिजिटल सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। इससे किसानों को उत्पादन के साथ-साथ अपने उत्पादों के विपणन और बाजार तक पहुंच बनाने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि एप में स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमों को बाजार से जोड़ने से संबंधित सुविधाओं को भी शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रहे स्वयं सहायता समूहों और छोटे उद्यमों को डिजिटल माध्यम से बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराना तथा उनके उत्पादों के लिए नए अवसर तैयार करना है। उन्होंने बताया कि 'मनोरमा कृषि रक्षक' का उद्देश्य किसानों को कृषि उत्पादन से लेकर बाजार तक आवश्यक डिजिटल सहयोग एक ही मंच पर उपलब्ध कराना है। मौसम में होने वाले बदलाव, फसल संबंधी समस्याओं, बाजार की जानकारी और अन्य कृषि आवश्यकताओं के संबंध में समय पर जानकारी मिलने से किसानों को अपनी खेती से जुड़े निर्णय लेने में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने इस पहल को ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि क्षेत्र में तकनीक के बेहतर उपयोग की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए इस प्रकार के डिजिटल प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इस अवसर पर कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, मनोरमा डबराल जन कल्याण समिति से कमला डबराल, राजेश डबराल, अंशुल, प्रांजल नौडियाल एवं सूरवीर सिंह कठैत उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर जनपद के 50 शिक्षक होंगे सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शिक्षक दिवस के अवसर पर जनपद संतकबीरनगर में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 50 शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। सम्मान समारोह कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 9:30 बजे आयोजित होगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह की ओर से सम्मानित होने वाले शिक्षकों की सूची जारी कर दी गई है। इसमें 15 अध्यापिकाएं भी शामिल हैं। इसके अलावा तकनीकी अनुदेशक और स्पेशल एजुकेटर को भी सम्मानित किया जाएगा। खंड शिक्षा अधिकारी सेमरियावां आशीष कुमार सिंह ने बताया कि विकासखंड सेमरियावां से पांच शिक्षकों को सम्मान के लिए चयनित किया गया है। इनमें सनोवर हलीम, मोनू विश्वकर्मा, शैलेंद्र राम भारत, विभा यादव और शैलेंद्र कुमार के नाम शामिल हैं। शिक्षक दिवस पर सम्मानित होने वाले शिक्षकों को लेकर शिक्षा विभाग में भी उत्साह का माहौल है। शिक्षकों ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान अन्य शिक्षकों को भी अपने कार्य के प्रति और अधिक समर्पित होकर काम करने के लिए प्रेरित करेगा। सम्मानित होने वाले शिक्षकों को शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर विभिन्न लोगों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। सम्मानित होने वाले शिक्षकों को अंबिका देवी यादव, केसी सिंह, जफीर अली, अशोक गुप्ता, अब्दुर्रहीम, जलालुद्दीन, असरारुल हक, राम शरण यादव, अखिलेश चंद, मो. आजम, मो. शोएब अख्तर, विनोद यादव, अजीत सिंह, राम निवास, मनोज कुमार अनिल, जयभान चौधरी, अरुण यादव, प्रेम प्रकाश दुबे, नवीन त्रिपाठी, गणेश प्रसाद चौरसिया, केएन पांडेय, संतोष कुमार तिवारी, सुहेल अहमद और सूचित कुमार जायसवाल ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

बलदेव में कृष्ण बाल स्वरूप में नजर आए कार्तिक जिंदल, जन्माष्टमी पर दिखा मनमोहक रूप

मथुरा/बलदेव (वेलकम इंडिया)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर बलदेव में कार्तिक जिंदल ने कृष्ण बाल स्वरूप धारण कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पीतांबर, मोर मुकुट, बांसुरी और आकर्षक श्रृंगार में सजे कार्तिक का बाल कृष्ण रूप देखते ही बन रहा था। कृष्ण के बाल स्वरूप में कार्तिक जिंदल ने अपनी मनमोहक मुस्कान और आकर्षक वेशभूषा से सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान परिजनों एवं स्थानीय लोगों ने उनका उत्साहवर्धन किया और कृष्ण जन्मोत्सव की खुशियां साझा कीं। कार्तिक का मनमोहक कृष्ण स्वरूप बलदेव में जन्माष्टमी समारोह का विशेष आकर्षण रहा। लोगों ने बाल कृष्ण के रूप में सजे कार्तिक की तस्वीरें भी अपने कैमरों में कैद कीं।

मध्यप्रदेश में प्राथमिक शिक्षक बने अनुज पाठक, खुशी की लहर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। बलदेव निवासी अनुज पाठक पुत्र राजेश पाठक का मध्यप्रदेश में प्राथमिक शिक्षक के पद पर चयन हुआ है। नियुक्ति पत्र मिलने पर परिजनों व शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी ने नवनियुक्त प्राथमिक शिक्षक अनुज पाठक को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नवनियुक्त प्राथमिक शिक्षक अनुज पाठक ने अपनी सफलता का श्रेय भगवान श्री दाऊजी महाराज के आशीर्वाद को देते हुए कहा उनकी कृपा से उन्हें यह सफलता प्राप्त हुई है। इस उपलब्धि में परिवारजनों, शुभचिंतकों व सहयोग करने वाले सभी लोगों का विशेष योगदान रहा है। नियुक्ति मिलने पर परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अनुज पाठक को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। खुशी व्यक्त करने वालों में ब्लाक प्रमुख प्रतीक सिंह भरंगर, भाकियू अराजनैतिक मंडल अध्यक्ष राजकुमार तोमर, जवाहर उपाध्याय, रामकृष्ण वर्मा, राकेश गोयल, सुजीत वर्मा, मदन मोहन वैद्य, विजय उपाध्याय, उमेश अग्रवाल, मनीष गगार्चार्य, डा जगदीश पाठक, अनुज उपमन्यु, देव अग्रवाल, नवीन वर्मा, सोनू अग्रवाल, राजकुमार सोनी, हरिओम अग्रवाल आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री धामी ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन लाभार्थियों के खातों में अगस्त माह की पेंशन राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कैंप कार्यालय में समाज कल्याण विभाग की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत 9,91,914 लाभार्थियों के खातों में अगस्त माह की पेंशन राशि के रूप में ₹147.05 करोड़ से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की। इसके साथ ही विभिन्न पेंशन योजनाओं के अंतर्गत 5,605 नए लाभार्थियों की पेंशन भी स्वीकृत की गई। हमारा संकल्प है कि समाज के कमजोर, जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को सम्मानजनक जीवन के लिए आवश्यक सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। हमारा निरंतर प्रयास है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी कठिनाई के पारदर्शी, सरल और समयबद्ध तरीके से पहुंचे। अधिकारियों को निर्देशित किया कि पेंशन योजनाओं के संचालन में लाभार्थियों के समक्ष आने वाली समस्याओं का प्राथमिकता एवं संवेदनशीलता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति अपने अधिकार से वंचित न रहे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास भी उपस्थित रहे।

अनिवार्य टीईटी के विरोध में जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ का शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यालयों में काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य करने का आह्वान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। अखिल भारतीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश त्यागी के आह्वान पर 5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर पूरे देश के साथ-साथ जनपद मथुरा के शिक्षक शिक्षिका भी काली पट्टी बांधकर इस टीईटी रूपी काले कानून के विरोध में विद्यालयों में शिक्षण कार्य करेंगे। वर्तमान सरकार सबका साथ सबका विकास की बात करती है । अतः शिक्षकों के साथ हो रहे इस अन्याय को भी उसे बदलना चाहिए । जब किसी भी कर्मचारी संवर्ग में वर्तमान में लागू अर्हताओं को पुराने कर्मचारियों पर लागू नहीं किया जाता है तो फिर केवल शिक्षकों पर जबरन टीईटी क्यों थोपा जा रहा है। अतः शिक्षक दिवस के अवसर पर देश भर के लगभग 28 लाख शिक्षक विद्यालयों में काली पट्टी बांध कर अपना विरोध व्यक्त करते हुए भारत सरकार से मांग करेंगे कि सरकार संसद में प्रस्ताव पारित कर वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टेट परीक्षा से मुक्त करने का प्रस्ताव पारित करें जिससे शिक्षक अपने को सुरक्षित महसूस करते हुए विद्यालयों में पूर्ण मनोयोग से शिक्षण कार्य कर सके। अतः जनपद मथुरा के सभी शिक्षक किसी भी प्रकार शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मिलित न होकर विद्यालयों में काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य करेंगे।

रेलवे में फर्जी नौकरी दिलाने के मामले में 25 हजार रुपये का इनामिया आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए धोखाधड़ी एवं कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से रेलवे में फर्जी तरीके से नौकरी दिलाने के मामले में वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामिया आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में की गई। थाना कोतवाली खलीलाबाद के प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश दुबे के नेतृत्व में उपनिरीक्षक धर्मनाथ, महिला हेड कांस्टेबल संयोगिता सिंह, कांस्टेबल मोहित वर्मा तथा एसओजी टीम के कांस्टेबल दीपक सिंह और कांस्टेबल सर्वेश मिश्रा की टीम ने शुक्रवार को हड़िया पुल बस्ती से आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सोनू कुमार उर्फ संगम पुत्र संतोष कुमार निवासी ग्राम दारानगर, थाना लहरपुर, जनपद सीतापुर के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली खलीलाबाद में मुकदमा अपराध संख्या 229/2025 के तहत धारा 420, 467 और 506 भारतीय दंड संहिता में मुकदमा दर्ज है। आरोपी इस मुकदमे में लंबे समय से वांछित चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस की ओर से 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक 18 मार्च 2025 को वादी मुकदमा जयशंकर पुत्र नागेंद्र सिंह निवासी गोरखल, थाना कोतवाली खलीलाबाद की तहरीरी सूचना के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

पूर्व विधायक जय चौबे ने विभिन्न थानों और क्षेत्रों का किया दौरा, दी जन्माष्टमी की शुभकामनाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पूरे जिले में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। मंदिरों से लेकर पुलिस थानों तक हर जगह भक्ति का माहौल देखने को मिला। इस पावन अवसर पर खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक जय चौबे ने भी विभिन्न स्थानों का दौरा किया और क्षेत्रवासियों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। पूर्व विधायक जय चौबे ने मुख्य रूप से जिले के विभिन्न पुलिस थानों में आयोजित जन्माष्टमी समारोहों में विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने खलीलाबाद कोतवाली, थाना दुधारा और थाना महुली में पहुंचकर पुलिसकर्मियों, अधिकारियों और वहां उपस्थित आम जनमानस को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।ज्ञात हो कि जन्माष्टमी के अवसर पर थानों में विशेष रूप से भव्य सजावट की जाती है और सुंदर झांकियां सजाई जाती हैं। थानों में आयोजित इन कार्यक्रमों में पूर्व विधायक की मौजूदगी ने समारोह की रौनक को और भी बढ़ा दिया। इस दौरान जय चौबे ने भगवान श्री कृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ पूरे जिले की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण का जीवन हमें अन्याय के खिलाफ लड़ने और हमेशा धर्म, कर्म और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विशेष रूप से पुलिस प्रशासन के जवानों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि त्योहारों के समय जब सभी लोग अपने घरों में खुशियां मना रहे होते हैं, तब हमारे पुलिस के जवान पूरी निष्ठा के साथ ड्यूटी कर जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।थानों के अलावा, पूर्व विधायक ने खलीलाबाद क्षेत्र के कई अन्य सार्वजनिक स्थानों और गांवों का भी दौरा किया। उन्होंने अपने समर्थकों, कार्यकर्ताओं और आम जनता से मिलकर उन्हें बधाई दी। उनके इस जनसंपर्क और आत्मीय अंदाज की स्थानीय लोगों ने खूब सराहना की। इस मौके पर उनके साथ कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में समर्थक भी मौजूद रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने व दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने और दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अपहृता को भी बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में की गई। थाना कोतवाली खलीलाबाद के प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश दूबे के नेतृत्व में उपनिरीक्षक विनोद कुमार यादव, महिला हेड कांस्टेबल संयोगिता, कांस्टेबल अरुण कुमार और कांस्टेबल विकास वर्मा की टीम ने शुक्रवार को मुखबिर की सूचना के आधार पर विधियानी तिराहे से आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान शेखर उर्फ पन्ने पुत्र ज्ञानदास निवासी हरपुर बुदहट, थाना हरपुर बुदहट, जनपद गोरखपुर के रूप में की है। आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली खलीलाबाद में मुकदमा अपराध संख्या 630/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 65(1), 87 तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 5छ/6 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज है। पुलिस के मुताबिक वादिनी ने 13 जुलाई 2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद में तहरीर देकर अपनी नाबालिग पुत्री को आरोपी द्वारा बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगाया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की थी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर जन्मभूमि पहुंचे सीएम योगी, चांदी से सजे गर्भगृह में किए लाला के दर्शन

मनोज शर्मा/वेलकम इंडिया

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार सुबह श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले जन्मभूमि परिसर में विधि-विधान से गौ-पूजन किया। इसके बाद मुख्य गर्भगृह में विराजमान बाल स्वरूप श्रीकृष्ण के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री के रूप में श्रीकृष्ण जन्मभूमि का यह उनका 20वां दर्शन बताया गया है।

जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्य गर्भगृह को चांदी की परत से भव्य रूप से सजाया गया था। मुख्यमंत्री ने चांदी से सजे गर्भगृह की अलौकिक छटा और भगवान श्रीकृष्ण के मनमोहक स्वरूप के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने योगमाया मंदिर, केशवदेव मंदिर और भागवत भवन में भी दर्शन-पूजन कर प्रदेश की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। जन्मभूमि परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं का मुख्यमंत्री ने अभिवादन स्वीकार किया और उन पर पुष्पवर्षा की। उन्होंने देश-प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। परिसर में उज्जैन से आए कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुति देख मुख्यमंत्री ने उनका उत्साहवर्धन किया और उनके साथ फोटो भी खिंचवाई। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट तक जन्मभूमि परिसर में रहे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर में विशेष सुरक्षा एवं व्यवस्थाएं की गई थीं। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच मुख्यमंत्री ने भक्तों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। जन्माष्टमी के उल्लास और भक्ति के माहौल में श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को और भक्तिमय बना दिया। श्रीकृष्ण जन्मभूमि सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया। दर्शन-पूजन के दौरान मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण से प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। जन्मभूमि परिसर में श्रद्धालुओं और संतों की मौजूदगी के बीच जन्माष्टमी पर्व की भव्यता देखने को मिली। इस दौरान कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, राज्यमंत्री संदीप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, विधायक श्रीकांत शर्मा, विधायक मेघश्याम सिंह, विधायक राजेश चौधरी, एमएलसी योगेश नौहवार समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वहीं एडीजी सुवेंद्र कुमार भगत, मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप, डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण स्वयं पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान हैं: चंचलापति दास

चंद्रोदय मंदिर में श्रद्धा भक्ति और उल्लास के साथ मना श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

मथुरा/वृन्दावन (वेलकम इंडिया)। वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण दिवस श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आध्यात्मिक उल्लास, भक्ति और वैदिक परंपराओं के साथ भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे पुष्पों एवं आकर्षक विघुत सज्जा से सुसज्जित किया गया। उत्सव में लड्डू गोपाल अभिषेक, छप्पन भोग, विशेष श्रृंगार, झूलन उत्सव, भजन संध्या और हरिनाम संकीर्तन प्रमुख आकर्षण रहे। वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य भगवान श्रीश्री राधा वृन्दावन चंद्र का पंचगव्य; दूध, दही, घी, शहद एवं मिश्रीद्ध के साथ 108 प्रकार के फलों के रस, औषधियों और पुष्पों से भव्य महाभिषेक किया गया। इस अवसर पर भगवान को श्याम रंग के रेशमी एवं चांदी की कढ़ाई युक्त वस्त्र धारण कराए गए। वहीं निताई-गौरांग को भी विशेष अलंकरण एवं पुष्पमालाओं से सुशोभित किया गया। श्रीकृष्ण स्वयं भगवान हैं इस शाश्वत सत्य को रेखांकित करते हुए मंदिर अध्यक्ष श्री चंचलापति दास जी ने श्रीमद्भागवत के प्रसिद्ध श्लोक एते चांशकला: पुंस: कृष्णस्तु भगवान स्वयम। इन्द्रारि-व्याकुलं लोकं मृडयन्ति युगे युगे।। का उल्लेख करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण सभी अवतारों के मूल स्रोत एवं स्वयं पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान हैं। जब-जब संसार अधर्म और आसुरी शक्तियों के कारण व्याकुल होता है, तब भगवान भक्तों की रक्षा, धर्म की स्थापना तथा समस्त जीवों के कल्याण के लिए युग-युग में अवतरित होते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण भक्तों पर अपनी विशेष कृपा करते हुए अर्चा-विग्रह के रूप में भी हमारे मध्य विराजमान हैं, जिससे भक्त प्रत्यक्ष रूप से उनकी सेवा, पूजा और आराधना कर सकें। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी केवल भगवान के अवतरण का उत्सव नहीं, बल्कि भगवान के प्रति अपने प्रेम, श्रद्धा और भक्ति को जागृत करने का पावन अवसर है। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य के साथ ही पूरा मंदिर परिसर हरे कृष्ण, हरे कृष्ण और श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। भक्तों ने हरिनाम संकीर्तन एवं गौड़ीय वैष्णव संगीत में उत्साह पूर्वक सहभागिता की। मंदिर परिसर इत्र एवं प्राकृतिक सुगंधित अगरबत्तियों की सुगंध से सुवासित रहा। इस पावन अवसर पर लखनऊ, आगरा, दिल्ली, जयपुर सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य अतिथि वृन्दावन पहुंचे और भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य प्राकट्य उत्सव में सहभागिता की।

बाढ़-कटान का पुराना दर्द, समाधान अब भी अधूरा, शारदा किनारे हर साल तबाही, कब बनेगी स्थायी कार्ययोजना?

वेलकम इंडिया पीलीभीत

पूरनपुर/पीलीभीत। शारदा नदी का कटान हर वर्ष किसानों और ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी बनकर सामने आता है। बरसात के मौसम में नदी का जलस्तर और तेज बहाव बढ़ते ही किनारों पर कटान शुरू हो जाता है। देखते ही देखते किसानों की उपजाऊ जमीन और खड़ी फसलें नदी की धार में समाने लगती हैं। कई स्थानों पर ग्रामीणों के घरों और संपर्क मार्गों पर भी खतरा मंडराने लगता है। इसके बावजूद स्थायी कटान निरोधक व्यवस्था को लेकर सवाल लगातार उठते रहे हैं। हाल में राणा प्रतापनगर में कटान की स्थिति गंभीर होने पर राजस्व एवं सिंचाई विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण

किया। अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लेने के बाद युद्ध स्तर पर कटान निरोधक कार्य शुरू कराया। प्रशासन की ओर से दावा किया गया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। इसी तरह नेहरोसा गांव में भी कटान की सूचना मिलने पर विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक निरोधक कार्य कराए।हालांकि इन तात्कालिक प्रयासों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब शारदा नदी के कटान का खतरा हर वर्ष बना रहता है, तो प्रशासन की तैयारियां कटान शुरू होने के बाद ही क्यों तेज होती हैं? क्या बरसात से पहले संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर वहां स्थायी और मजबूत कटान निरोधक परियोजनाएं नहीं बनाई जा सकतीं?

ग्रामीणों का कहना है कि हर साल बरसात आते ही कटान की समस्या सामने आती है। इसके बाद अधिकारियों का निरीक्षण, बचाव कार्य, आश्वासन और नुकसान के आकलन का सिलसिला शुरू हो जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते संवेदनशील तटबंधों और नदी किनारों पर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था कर दी जाए तो बड़े नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है।सवाल यह भी है कि जब कटान रोकने के लिए लाखों रुपये खर्च किए जाने के दावे किए जाते हैं, तो इसके बावजूद हर साल वही समस्या दोबारा क्यों खड़ी हो जाती है? यदि बचाव कार्य वास्तव में युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं, तो फिर बाढ़ और कटान की स्थिति क्यों उत्पन्न हो रही है?शारदा नदी से प्रभावित ग्रामीण अब केवल अस्थायी राहत नहीं, बल्कि स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि प्रशासन बरसात समाप्त होने के बाद अगले वर्ष की तैयारी का इंतजार न करे, बल्कि संवेदनशील क्षेत्रों का वैज्ञानिक सर्वे कराकर दीर्घकालिक कटान निरोधक योजना तैयार करे। अब निगाहें इस बात पर हैं कि मौजूदा बचाव कार्य के बाद प्रशासन स्थायी समाधान की दिशा में क्या कदम उठाता है।

आवारा पशु की टक्कर से युवक की मौत

सपा नेता राजकुमार राजू ने पीड़ित परिवार से मिलकर जताया शोक

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर-बंडा मार्ग पर ग्राम गुलरिया भूपसिंह के पास आवारा पशु की टक्कर से जमुनिया जगतपुर निवासी मंजीत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। घटना को लेकर ग्रामीणों में आवारा पशुओं की समस्या को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

दुर्घटना के बाद समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं 129 विधानसभा क्षेत्र पूरनपुर से राजकुमार (राजू) ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाते हुए इस दुख की घड़ी में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।राजकुमार राजू ने बताया कि सड़क हादसे में परिवार ने अपना सदस्य खो दिया है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे कठिन समय में पीड़ित परिवार के साथ खड़ा होना समाज और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने परिवार की तत्काल जरूरतों को देखते हुए अपनी ओर से आर्थिक सहायता भी प्रदान की।इस दौरान उन्होंने उपजिलाधिकारी पूरनपुर से वार्ता कर मृतक के परिवार को नियमानुसार हर संभव प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन से अपेक्षा है कि पीड़ित परिवार को शासन स्तर से मिलने वाली सहायता और राहत उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र की जाए।राजकुमार राजू ने क्षेत्र में लगातार सामने आ रही आवारा पशुओं की समस्या को गंभीर बताते हुए कहा कि सड़कों पर घूम रहे आवारा पशु आए दिन हादसों का कारण बन रहे हैं। इससे वाहन चालकों और राहगीरों की जान खतरे में पड़ रही है। उन्होंने प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।उन्होंने दिवंगत मंजीत सिंह की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि ईश्वर शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पत्रकारों के सम्मान और सुरक्षा से समझौता नहीं

ऐप्जा की बैठक में उठा दिल्ली की घटना का मुद्दा, ज्ञापन देने का लिया फैसला

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। ग्राम जोगराजपुर में ऑल इंडिया प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऐप्जा की मासिक बैठक आयोजित हुई। इसमें पत्रकारों की सुरक्षा, उत्पीड़न और पुलिस की कथित मनमानी को लेकर पदाधिकारियों ने नाराजगी जताई। राजधानी दिल्ली में मीडियाकर्मी के साथ हुई कथित मारपीट की घटना को लेकर भी संगठन ने कड़ा विरोध दर्ज कराया।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार समाज और प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करते हैं। ऐसे में समाचार संकलन के दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार या हिंसा की घटनाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। पदाधिकारियों ने पत्रकारों के खिलाफ कथित उत्पीड़न, मुकदमों और सुरक्षा संबंधी मामलों पर भी चर्चा की।ऐप्जा पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए और दिल्ली की घटना में यदि पुलिसकर्मियों की भूमिका जांच में सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। बैठक में इस मामले को लेकर प्रशासन को ज्ञापन देने का निर्णय लिया गया। साथ ही पत्रकार हितों से जुड़े मुद्दों पर संगठनात्मक स्तर पर संघर्ष जारी रखने की बात कही गई।बैठक में जिला संरक्षक राजकुमार श्रीवास्तव, तहसील अध्यक्ष रामनिवास कश्यप, तहसील प्रभारी सबलू खान, शोभित वर्मा, केशव, हनीफ समेत कई पत्रकार और सारथी बोर्ड के सदस्य मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने एकजुट होकर पत्रकारों के सम्मान और सुरक्षा के लिए आवाज उठाने का संकल्प लिया।

शारदा की तेज धार से राहुल नगर में बढ़ी बेचैनी, जलस्तर बढ़ा तो खेतों और निचले इलाकों पर मंडराएगा खतरा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। तहसील क्षेत्र के गांव राहुल नगर स्थित मजदूर बस्ती के पास शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। नदी में पानी की तेज धार और बढ़ते जलस्तर को देखते हुए आसपास रहने वाले लोग लगातार नदी की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि जलस्तर में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो निचले इलाकों के साथ ही खेतों और आबादी वाले क्षेत्रों में भी पानी पहुंच सकता है।शारदा नदी के किनारे बसे गांवों में रहने वाले लोगों के लिए नदी का बढ़ता जलस्तर हर साल चिंता का कारण बनता है। राहुल नगर की मजदूर बस्ती के पास पानी बढ़ने से ग्रामीणों में भय का माहौल दिखाई दे रहा है। लोगों का कहना है कि नदी का बहाव तेज होने पर कटान का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में नदी के किनारे रहने वाले परिवारों को अपनी फसल और घरों की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है।ग्रामीणों के मुताबिक फिलहाल लोग एहतियात बरत रहे हैं और नदी के जलस्तर में होने वाले बदलाव पर लगातार नजर रख रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि प्रशासन की ओर से समय रहते निगरानी और आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए जाएं, ताकि स्थिति बिगड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जा सके।ग्रामीणों का कहना है कि शारदा नदी का मिजाज कभी भी बदल सकता है। जलस्तर बढ़ने के साथ तेज बहाव होने पर कटान की स्थिति गंभीर हो सकती है। यदि नदी का पानी खेतों तक पहुंचा तो किसानों को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं निचले इलाकों में जलभराव होने की स्थिति में ग्रामीणों के आवागमन की समस्या भी बढ़ सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि राहुल नगर मजदूर बस्ती के आसपास नदी की स्थिति की नियमित निगरानी कराई जाए। साथ ही संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर जरूरत पड़ने पर पहले से ही बचाव के इंतजाम किए जाएं। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते कदम उठाए जाने से संभावित नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए फैमिली आईडी बनवाने पर जोर

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। श्रम विभाग शामली की ओर से ग्राम पंचायत कांधला देहात में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए जागरूकता कैंप आयोजित किया गया। कैंप में श्रमिकों को फैमिली आईडी बनवाने के महत्व और इससे मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई। कैंप का आयोजन सहायक श्रमायुक्त अरविंद कुमार मधेसिया के निर्देश पर किया गया।श्रम विभाग के गुलजार अंसारी ने बताया कि नगर एवं ब्लॉक क्षेत्र के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की फैमिली आईडी बनवाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। फैमिली आईडी बनने से श्रमिकों और उनके परिवारों को विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। उन्होंने श्रमिकों से अपील की कि वे नजदीकी जनसेवा केंद्र पर जाकर जल्द फैमिली आईडी बनवाएं और परिवार का विवरण दर्ज कराएं। कैंप में श्रमिकों को फैमिली आईडी बनवाने की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई।

पांच साल की मुहिम लाई रंग, अब स्टेशन चौराहा बनेगा महाराणा प्रताप चौराहा

भूमि पूजन के साथ प्रतिमा स्थापना का काम शुरू, विजयदशमी पर होगा भव्य उद्घाटन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। अखिल भारतीय युवा क्षत्रिय महासभा पूरनपुर की पांच वर्ष पुरानी मांग अब साकार होने जा रही है। स्टेशन चौराहे का नाम महाराणा प्रताप चौराहा किए जाने और वहां वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित किए जाने की मुहिम ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल किया। भूमि पूजन के साथ प्रतिमा स्थापना के निर्माण कार्य का शुभारंभ कर दिया गया।बताया गया कि वर्ष 2020 के अंत में सात युवाओं ठाकुर शिवम सिंह भदौरिया, ठाकुर प्रज्वल तोमर, ठाकुर उद्देश्य जादौन, ठाकुर सिद्धांत जादौन, ठाकुर अखंड प्रताप सिंह, ठाकुर चमन भदौरिया और ठाकुर सनी सिंह ने स्टेशन चौराहे को महाराणा प्रताप चौराहा बनाने तथा वहां उनकी प्रतिमा स्थापित कराने की मांग उठाई थी। इसके बाद लगातार प्रयास किए गए। नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता

के सहयोग के साथ क्षत्रिय समाज और सर्व समाज के लोगों के समर्थन से यह मांग अब धरातल पर उतरती दिखाई दे रही है। शुक्रवार आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में विधायक बाबूराम पासवान, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह समेत क्षत्रिय समाज और सर्व समाज के बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत पूजन के बाद प्रतिमा स्थापना स्थल पर निर्माण कार्य शुरू कराया गया। इस मौके पर लोगों ने महाराणा प्रताप के साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लिया।आयोजकों के अनुसार 20 अक्टूबर को विजयदशमी के अवसर पर स्टेशन चौराहे पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा का भव्य उद्घाटन किया जाएगा। उद्घाटन समारोह को भव्य बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कार्यक्रम में शस्त्र पूजन, भंडारा और आतिशबाजी समेत विभिन्न आयोजन प्रस्तावित हैं। आयोजकों ने इसे केवल एक समाज का कार्यक्रम न बनाकर सर्व समाज के सहयोग से विशाल उत्सव के रूप में आयोजित करने की बात कही है। ठाकुर शिवम सिंह भदौरिया ने कहा कि यह प्रयास बुजुर्गों के आशीर्वाद, गौ माता की कृपा और समाज के सहयोग से संभव हो सका है। उन्होंने सभी सहयोगियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि पांच वर्ष पहले शुरू हुई मुहिम अब अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। प्रतिमा स्थापना को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। आगामी विजयदशमी पर होने वाले उद्घाटन समारोह को यादगार बनाने के लिए आयोजकों द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

सुराजकुंड मंदिर में धूमधाम से मनाया जा रहा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

कांधला। नगर के प्राचीन सुराजकुंड मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है। नन्हे-मुन्ने बच्चे भी श्रीकृष्ण की वेशभूषा में सजकर मंदिर पहुंच रहे हैं, जिससे मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में नजर आ रहा है।मंदिर के पुजारी जनार्दन मिश्रा ने बताया कि सुराजकुंड मंदिर का इतिहास वर्षों पुराना है। मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन तालाब को सूरजकुंड के नाम से जाना जाता है। जन्माष्टमी के अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चों को श्रीकृष्ण की वेशभूषा में सजाकर नाव के माध्यम से सूरजकुंड की सैर कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि शाम के समय मंदिर परिसर से भगवान श्रीकृष्ण की सुंदर-सुंदर झांकियां निकाली जाएंगी। झांकियों को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और पूरे परिसर में धार्मिक आयोजन के चलते भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

बूथ स्तर पर जनसंपर्क कर सतेन्द्र मौर्य ने गिनाईं सपा की नीतियां

संविधान, बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की समस्याओं को लेकर ग्रामीणों से की चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। 127 विधानसभा पीलीभीत क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ सतेन्द्र मौर्य ने दर्जनों गांवों में बूथ स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना और समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी। जनसंपर्क के दौरान सतेन्द्र मौर्य ने संविधान की रक्षा, बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की समस्याओं को प्रमुख मुद्दा बताते हुए ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आम जनता को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। किसानों की आर्थिक स्थिति, युवाओं के लिए रोजगार और बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों पर गंभीरता से विचार किए जाने की जरूरत है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में प्रदेश में किए गए जनकल्याणकारी कार्यों का उल्लेख करते हुए ग्रामीणों को पार्टी की नीतियों से अवगत कराया। साथ ही वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पार्टी की ओर से किए गए वादों और घोषणाओं की जानकारी भी लोगों को दी।सतेन्द्र मौर्य ने ग्रामीणों से आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के समर्थन की अपील की। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना पार्टी की प्राथमिकता है और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका से संगठन को और मजबूती मिलेगी। जनसंपर्क के दौरान सतेन्द्र मौर्य ने पार्टी के सम्मानित बूथ प्रभारियों और गांव के गणमान्य लोगों का फूल-मालाओं से सम्मान किया। वहीं ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने भी सतेन्द्र मौर्य का फूल-मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह नजर आया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव पहुंचकर लोगों से संवाद स्थापित करने और पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया।

श्रीरामध्वज शोभायात्रा के साथ हुआ रामलीला मंचन का शुभारम्भ

कांधला (वेलकम इंडिया)। कस्बे में श्री रामलीला कमेटी मंडप पंचवटी रजिस्टर्ड के तत्वावधान में श्री रामलीला मंचन एवं मेला आयोजन के लिए प्राचीन परंपरा के अनुसार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीरामध्वज शोभायात्रा का आयोजन किया गया।कस्बे के मुहल्ला रायजादगान स्थित माता श्री शाकुंभरी देवी भवन में पंडित ललित किशोर शास्त्री द्वारा पूजा-अर्चना कर श्रीराम ध्वज शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। बैंड-बाजे और ढोल की अगुवाई में शोभायात्रा मुहल्ला रायजादगान, दिनतला, मौलानान, कानूनगोयान, जामा मस्जिद, मैन बाजार, जैन स्थानक, जैन मंदिर, पुराना पीएनबी बैंक, कैराना रेलवे रोड और माता शीतला मंदिर से होते हुए कैराना मार्ग स्थित रामलीला मंचन स्थल पर पहुंची। मंचन स्थल पर भाजपा एमएलसी चौधरी वीरेंद्र सिंह और श्री रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने श्रीरामलीला मंचन के लिए पवित्र श्रीरामध्वज की स्थापना की। ध्वज स्थापना के दौरान पूरा मंचन स्थल श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। इस दौरान लोकेश गोयल, श्याम कुमार सिंघल, प्रमोद शर्मा, राजीव जैन, तरुण अग्रवाल, नरेंद्र सिंघल, रोहित गुप्ता, मेहरचंद सिंघल और संजय मित्तल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आवारा कुत्तों-बंदरों का बढ़ता आतंक, आए दिन हो रहे लोग घायल

सरकारी अस्पताल में घायलों को लगाई गई एंटी रेबीज वैक्सीन, लोगों में दहशत

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। नगर और क्षेत्र में इन दिनों आवारा कुत्तों और बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। आवारा जानवर आए दिन राहगीरों और मोहल्ले के लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं। इसके चलते लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। लोगों का कहना है कि नगर के कई मोहल्लों और सार्वजनिक स्थानों पर आवारा कुत्तों व बंदरों का झुंड दिखाई देता है, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।शुक्रवार को नगर के सरकारी अस्पताल पहुंचे रहीस ने बताया कि वह अपने काम से जा रहा था। इसी दौरान अचानक बंदरों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। बंदरों के हमले से वह घायल हो गया। इसके अलावा आदिल, दीपक, नाहिद, बिलाल और अमजद समेत कई अन्य लोगों ने भी कुत्तों और बंदरों के हमले

में घायल होने की जानकारी दी। घायलों के अस्पताल पहुंचने से स्वास्थ्यकर्मियों ने उनका उपचार किया और आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी।सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा सभी घायलों को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई। सरकारी चिकित्सक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध है। आवारा जानवरों के काटने या हमला करने की स्थिति में लोग घबराएं नहीं और तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकीय परामर्श लें। चिकित्सक ने लोगों से अपील की कि वह आवारा कुत्तों और बंदरों से दूरी बनाए रखें। विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों को अकेले ऐसे स्थानों पर न जाने दें, जहां आवारा जानवरों का झुंड मौजूद हो। वहीं नगरवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से भी आवारा कुत्तों और बंदरों की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रभावी अभियान चलाने की मांग की है।

कहासुनी के बाद दो पक्षों में हुआ खूनी संघर्ष, चार घायल

कांधला (वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव नाला में मामूली कहासुनी के बाद दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। दोनों ओर से जमकर लाठी-डंडे चले और पथराव हुआ। मारपीट में दोनों पक्षों के चार लोग घायल हो गए। घायलों ने सरकारी अस्पताल में अपना चिकित्सकीय परीक्षण कराया और इसके बाद थाने पहुंचकर एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर दी है। थाना क्षेत्र के गांव नाला निवासी उमरदीन और मीर हसन पड़ोसी हैं। बताया गया कि उमरदीन का पुत्र वाजिद दुकान से सामान लेने जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में मीर हसन के पुत्र फैसल से उसकी कहासुनी हो गई। देखते ही देखते दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडों के साथ पथराव शुरू हो गया। संघर्ष में एक पक्ष से वाजिद और उसके भाई माजिद घायल हुए, जबकि दूसरे पक्ष से मीर हसन और फैसल को चोटें आईं।दोनों पक्षों के लोगों ने अपना-अपना चिकित्सकीय परीक्षण कराने के बाद थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

महापौर ने मोटरबोट से लिया बाढ़ प्रभावित तटवर्ती इलाकों का जायजा

नमो घाट से पुरानापुल तक नौका से किया निरीक्षण, राहत शिविरों में मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त रखने के कड़े निर्देश

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। गंगा और वरुणा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण वाराणसी के तटवर्ती इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। जलस्तर बढ़ने से कई इलाकों में पानी पहुंच गया है और प्रभावित परिवारों को राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महापौर अशोक कुमार तिवारी ने शुक्रवार को मोटरबोट के जरिए बाढ़ प्रभावित तटवर्ती क्षेत्रों का विस्तृत निरीक्षण किया और मौके पर राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। महापौर अशोक कुमार तिवारी एवं नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने नमो घाट से निरीक्षण की शुरूआत की। मोटरबोट के जरिए दोनों अधिकारियों ने कोनिया, दनियालपुर, हुकुलगंज होते हुए सरैया और पुरानापुल तक बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने तटवर्ती क्षेत्रों में जलभराव, प्रभावित बस्तियों और लोगों की स्थिति को देखा तथा संबंधित अधिकारियों से मौके पर राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण के बाद महापौर ने अंधरापुल स्थित बाढ़ राहत शिविर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने राहत शिविर में रह रहे बाढ़ प्रभावित लोगों से सीधे बातचीत की और उनकी समस्याओं एवं जरूरतों की जानकारी ली। महापौर ने शिविर में उपलब्ध भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया। महापौर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि राहत शिविरों में रह रहे नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों के लिए पीने का स्वच्छ पानी, भोजन, दवाइयां और स्वास्थ्य सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। इसके साथ ही राहत शिविरों में साफ-सफाई की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने और नियमित रूप से निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आपदा की इस कठिन घड़ी में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जरूरत के अनुसार राहत सामग्री उपलब्ध कराने के साथ ही लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए और उनका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। महापौर अशोक कुमार तिवारी ने कहा कि बाढ़ की स्थिति पर नगर निगम और प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है। आपदा के समय बेहतर प्रबंधन और त्वरित कार्रवाई बेहद जरूरी है। हमारा प्रयास है कि बाढ़ से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति तक समय पर मदद पहुंचे और किसी को भी आवश्यक सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जलस्तर और प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की लगातार निगरानी करते रहें तथा जरूरत पड़ने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाएं। महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप काशी के प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और कल्याण के लिए नगर निगम एवं प्रशासन पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हमारी पहली प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि इस आपदा की स्थिति में किसी भी परिवार को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित नागरिकों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम की पूरी टीम सक्रिय है।

भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय सचिव सिद्धार्थ शंभू ने महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि से की शिष्टाचार मुलाकात

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय टीम में राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी मिलने के बाद पहली बार काशी पहुंचे पार्टी के वरिष्ठ नेता सिद्धार्थ शंभू ने महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि के आवास पर पहुंचकर उनसे शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान महानगर अध्यक्ष और पार्टी कार्यकताओं ने सिद्धार्थ शंभू का अंगवस्त्रम, पुष्पगुच्छ और माला पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुलाकात के दौरान महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने कहा कि सिद्धार्थ शंभू को भाजपा की राष्ट्रीय टीम में सचिव का दायित्व मिलना पूरे पूर्वांचल, बिहार और उत्तर प्रदेश के कार्यकताओं के लिए गौरव की बात है। उनका लंबा संगठनात्मक अनुभव, समर्पण और कार्यकुशलता पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता उनके मनोनयन से उत्साहित हैं और उनके सफल कार्यकाल की कामना करते हैं। इस अवसर पर सिद्धार्थ शंभू ने महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि और उपस्थित सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने उन्हें जो नई जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन वह पूरी निष्ठा और तत्परता के साथ करेंगे। पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किया जाएगा। मुलाकात के दौरान संगठन की भावी रणनीतियों, आगामी कार्यक्रमों और विभिन्न सांगठनिक विषयों पर भी सौहार्दपूर्ण वातावरण में विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर महानगर मंत्री अमित खरे समेत पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा की नई संगठनात्मक सूची में विश्वकर्मा समाज को प्रतिनिधित्व न मिलने पर जताई नाराजगी

सम्मानजनक भागीदारी की उठी मांग, पदाधिकारियों ने कहा- समाज के योगदान के अनुरूप मिलना चाहिए उचित स्थान

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। श्री विश्वकर्मा सभा की शाखा कार्यालय, श्री विश्वकर्मा मंदिर, वृद्धकाल विशेश्वरगंज, वाराणसी में शुक्रवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता सभा के कार्यवाहक अध्यक्ष सोमनाथ विश्वकर्मा ने की। बैठक में भारतीय जनता पार्टी द्वारा घोषित महानगर, जिला एवं काशी क्षेत्र की नई संगठनात्मक सूची में विश्वकर्मा समाज को किसी भी महत्वपूर्ण पद पर प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने पर गहरी चिंता और पीड़ा व्यक्त की गई।

कार्यवाहक अध्यक्ष सोमनाथ विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज हमेशा से राष्ट्रहित, समाजहित और संगठन के प्रति पूरी निष्ठा के साथ खड़ा रहा है। भाजपा के प्रत्येक अभियान और कार्यक्रम में विश्वकर्मा समाज के कार्यकताओं ने पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ अपनी भूमिका निभाई है। इसके बावजूद संगठन की नई सूची में समाज के किसी भी कार्यकर्ता को प्रतिनिधित्व न मिलना विश्वकर्मा समाज के लिए अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है।

उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज की प्रदेश में लगभग पांच प्रतिशत से अधिक आबादी है और पूर्वांचल की करीब 25 से 30 विधानसभा सीटों पर समाज का निर्णायक प्रभाव है। ऐसे में समाज की राजनीतिक एवं संगठनात्मक भागीदारी की अपेक्षा स्वाभाविक है। समाज किसी विशेष कृपा का नहीं, बल्कि अपने योगदान के अनुरूप सम्मानजनक प्रतिनिधित्व का हकदार है। मंत्री अनिल शर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज को संगठन में प्रतिनिधित्व न मिलना बेहद निराशाजनक है। समाज लंबे समय से भाजपा के साथ मजबूती से खड़ा रहा है। ऐसे समर्पित समाज को संगठन में उचित स्थान मिलना चाहिए, ताकि समाज के कार्यकताओं का मनोबल बना रहे। कोषाध्यक्ष राजकुमार विश्वकर्मा, चंद्रकला विश्वकर्मा एवं अनिल विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि विश्वकर्मा समाज ने सदैव राष्ट्र निर्माण, सामाजिक उत्थान और जनसेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समाज के लोग मेहनत, ईमानदारी और समर्पण के लिए जाने जाते हैं। इसके बावजूद संगठन में समाज की आवाज और भागीदारी को स्थान न मिलना निश्चित रूप से हर विश्वकर्मा कार्यकर्ता के मन को आहत करने वाला है।

बैठक में प्रमुख रूप से अरविंद विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष नित्यानंद विश्वकर्मा, अंजनी विश्वकर्मा, दिलीप विश्वकर्मा, रीना विश्वकर्मा, सुशीला विश्वकर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, डॉ. सुनील विश्वकर्मा, जयराम विश्वकर्मा, वेंकटेश विश्वकर्मा, युगल किशोर विश्वकर्मा, डॉ. रामचंद्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष सहित सैकड़ों की संख्या में विश्वकर्मा समाज के लोग उपस्थित रहे।

थाना मवई को मिला आधुनिक स्वरूप, रामदास नगर चौकी का भव्य लोकार्पण

वेलकम इंडिया/फतेह खान

रूदौली/अयोध्या। थाना मवई परिसर में नवनिर्मित रामदास नगर पुलिस चौकी एवं थानाध्यक्ष कार्यालय व आदर्श मेस के नवीनीकरण कार्य का भव्य लोकार्पण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर द्वारा किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), क्षेत्राधिकारी रूदौली सहित अधिकारीगण व बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान एसएसपी ने ग्राम प्रहरियों से संवाद कर उन्हें कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया तथा आवश्यक सामग्री वितरित की। साथ ही वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया गया। एसएसपी ने कहा कि ग्राम प्रहरी ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जिनके सहयोग से कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। कार्यक्रम के अंत में बच्चों से आत्मीय संवाद कर उन्हें मिष्ठान्न वितरित किया गया, जिससे माहौल पूरी तरह सौहार्दपूर्ण रहा। पुलिस एवं जनता के बीच समन्वय को मजबूत करने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कैन्सर पीडित बुजुर्ग ब्राह्मण का बारिश ने छीना आशियाना

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़/कुडा। बारिश की बूंदें जहां लोगों के लिए मौसम का एहसास लेकर आईं, वहीं बाबागंज ब्लॉक के रायगढ़, कुटलिया गांव निवासी लालता प्रसाद पांडेय के परिवार के लिए यही बारिश जिंदगी का सबसे बड़ा दर्द बन गई। लगातार बारिश के बीच उनका कच्चा मकान भरभरा कर जमींदोज हो गया। देखते ही देखते वर्षों से सिर छिपाने का सहारा रहा आशियाना मिट्टी के ढेर में बदल गया और परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया। 60 वर्षीय लालता प्रसाद पांडेय कैंसर से पीड़ित हैं। बीमारी से जूझ रहे बुजुर्ग के सामने अब इलाज के साथ परिवार को सुरक्षित रखने की भी बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। परिवार में दो बेटियां हैं। एक बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि दूसरी बेटी महज 21 वर्ष की है। परिवार की पीड़ा यहीं खत्म नहीं हुई। मकान गिरने से घर में रखा अनाज और पहनने के कपड़े तक मलबे में दब गए। जिस घर में कभी परिवार किसी तरह अपनी जिंदगी गुजार रहा था, आज वहां सिर्फ टूटे हुए कच्चे मकान का मलबा दिखाई दे रहा है। परिजनों के मुताबिक, पहली बारिश में ही मकान का आधा हिस्सा गिर गया था। इसके बावजूद परिवार किसी तरह बचे हुए हिस्से में रहने को मजबूर था। सोमवार को बारिश के बीच बचा हुआ मकान भी धराशायी हो गया। अब परिवार के पास न सुरक्षित छत है और न ही पर्याप्त साधन। ग्रामीणों का कहना है कि परिवार बेहद गरीब है और उसके पास इस कच्चे मकान के अलावा रहने के लिए कोई दूसरी जमीन भी नहीं है। इसके बावजूद आज तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल सका। परिवार द्वारा कई बार ग्राम प्रधान और सचिव से आवास दिलाने की गुहार लगाई गई, लेकिन आरोप है कि उनकी फरियाद जिम्मेदारों के कार्यालयों के चक्कर काटती रह गई। पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन से तत्काल आवास, खाद्यान्न, कपड़े और जरूरी राहत सामग्री उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है। अब देखना यह है कि सरकारी योजनाओं के दावों के बीच इस बेघर परिवार तक मदद का हाथ कब पहुंचता है।

विश्वकर्मा समाज के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से की मुलाकात

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। विश्वकर्मा समाज के महानगर अध्यक्ष एवं समाजवादी पार्टी के नेता विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' के नेतृत्व में वाराणसी के सपा नेताओं ने लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की। इस दौरान आगामी शिक्षक एवं स्नातक खंड एमएलसी चुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियों और चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव ने आगामी शिक्षक एवं स्नातक खंड एमएलसी चुनाव के संदर्भ में पार्टी नेताओं से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने चुनाव को लेकर मतदाताओं से संपर्क और जनसंपर्क अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही संगठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंच बनाने पर जोर दिया। विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता आगामी चुनाव को लेकर पूरी तरह सक्रिय हैं और मतदाताओं से लगातार संपर्क कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से जुटे हैं। सपा प्रमुख से मुलाकात करने वालों में स्नातक विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा, पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी, पूर्व विधायक अब्दुल समद अंसारी, बुनकर नेता अनवारुल हक अंसारी, वरिष्ठ नेता आनंद मोहन 'गुड्डू', विश्वकर्मा समाज के महानगर अध्यक्ष एवं सपा नेता विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा', पार्षद मुमताज खान, रिजवान अंसारी, वाभ अहमद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव के लिए सज धज कर तैयार है भक्ति धाम मनगढ़

प्रतापगढ (वेलकम इंडिया)। कुंडा तहसील का विश्व प्रसिद्ध मनगढ धाम कान्हा का जन्मदिन मनाने को तैयार है । मनगढ धाम कुछ यू सजा है कि देखने वाले मन्त्र मुग्ध हो अपनी नजर भी नही झुका पा रहे । नेता हो या अधिकारी गरीब हो या अमीर जिसे देखो वो ही कान्हा का जन्मोत्सव मनाने के लिए मनगढ पहुचने को आतुर है। इस दौरान सुरक्षा के लिए प्रतापगढ़ पुलिस ने अभूतपूर्व इन्तजाम किए है। कुंडा की तरफ से आने वाले वाहन समय के अनुसार और ट्रैफिक के मद्देनजर धीरे-धीरे करके कुंडा से ही रोक दिए जाएंगे। कुंडा में लखनऊ रोड एवं इलाहाबाद रोड पर कई जगह पार्किंग की व्यवस्था की गई है कुंडा से मनगढ़ रोड पर भी कई जगह पार्किंग की व्यवस्था की गई है इधर लालगंज खनवारी की तरफ से आने वाले वाहन खनवारी से ही डायवर्जन हो जाएगा। ट्रैफिक से लेकर के सुरक्षा के मद्देनजर चप्पे चप्पे पर तैनात है पुलिस और पीएसी के जवान कल शाम आईजी जोन इलाहाबाद डीएम प्रतापगढ़ एवं एसपी प्रतापगढ़ ने हर बैरियर पर ट्रैफिक कंट्रोल व्यवस्था का और मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित 15-15 हजार के तीन इनामी अभियुक्त गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। बुलंदशहर जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत शिकारपुर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को परशुराम चौक के पास से शुक्रवार को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त विक्की गुप्ता उर्फ बबलू, मनीष और राहुल थाना शिकारपुर में दर्ज मुकदमा संख्या 364/26, धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे थे। उनकी गिरफ्तारी पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर की ओर से 15-15 हजार रुपये का इनाम घोषित था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विक्की गुप्ता उर्फ बबलू पुत्र कृष्णा कुमार गुप्ता, मनीष पुत्र धर्मपाल वत्स तथा राहुल पुत्र जुगेन्द्र उर्फ दुर्योधन, निवासी रामनगर कॉलोनी मौसमगढ़, थाना कोतवाली देहात, बुलंदशहर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक तीनों अभियुक्तों के खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। विक्की, मनीष और राहुल के खिलाफ थाना शिकारपुर में दर्ज मुकदमा संख्या 457/25 में हत्या, साक्ष्य मिटाने, आपराधिक षड्यंत्र, सामूहिक आपराधिक कृत्य और शस्त्र अधिनियम समेत कई धाराएं लगाई गई हैं। इसके अलावा मनीष और राहुल के खिलाफ कोतवाली देहात में भी पूर्व के मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार, उपनिरीक्षक शिवशंकर, उपनिरीक्षक प्रशान्त कुमार, कांस्टेबल कुलदीप सिंह, रिजर्व कांस्टेबल चन्द्रवीर सिंह और रिजर्व कांस्टेबल प्रबल कुमार शामिल रहे।

रत्तूपुर कान्हा गौशाला पहुंचे सीडीओ, निरीक्षण में मिली अव्यवस्था

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। नगर पंचायत पट्टी की रत्तूपुर कान्हा गौशाला में अव्यवस्थाओं और गोवंश की बदहाली को लेकर लगातार प्रकाशित हो रही खबरों का प्रशासन ने संज्ञान लिया। गुरुवार को सीडीओ ने गौशाला का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनके पहुंचते ही नगर पंचायत के जिम्मेदारों में खलबली मच गई।

निरीक्षण के दौरान गौशाला में गोवंश के लिए चारा, भूसा, चूनी-चोकर, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। व्यवस्थाओं में कमी मिलने पर सीडीओ ने जिम्मेदार अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने गोवंश के लिए पर्याप्त हरा चारा, भूसा और चूनी-चोकर उपलब्ध कराने के साथ ही नियमित सफाई और बीमार पशुओं के उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बताया गया कि सीडीओ के निरीक्षण से पहले ही गौशाला में हरा चारा, भूसा और चूनी-चोकर पहुंचा दिया गया था। इसे लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए। उनका कहना है कि यदि निरीक्षण से पहले आनन-फानन में चारे की व्यवस्था की जा सकती है तो सामान्य दिनों में गोवंश के लिए आने वाले चारे की उपलब्धता क्यों नहीं रहती। गौरतलब है कि रत्तूपुर गौशाला में गोवंश की बदहाली, चारे की कमी, बीमार पशुओं और सफाई व्यवस्था को लेकर पिछले दिनों लगातार सवाल उठाए गए थे। मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई शुरू हुई है। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि निरीक्षण के बाद गौशाला की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी होगी और लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अब देखना होगा कि प्रशासन के निरीक्षण और सख्ती के बाद गौशाला की व्यवस्थाएं स्थायी रूप से सुधरती हैं या निरीक्षण के बाद फिर पुराने ढर्रे पर लौट जाती हैं।

एसआरएम में श्रद्धा एवं सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर परिसर में मेजर ध्यानचंद ग्राउंड में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने श्रद्धा, उमंग और उत्साह के साथ सहभागिता की।

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं एवं सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना था। कार्यक्रम एसआरएम आई एस टी दिल्ली-एनसीआर परिसर के निदेशक (डायरेक्टर) डॉक्टर एस विश्वनाथन, डीन डॉ आर पी महापात्रा, डीन-रिसर्च तथा डीन-आईक्यूएसी की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। उनके सान्निध्य ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 3:00 बजे जन्माष्टमी पूजन एवं आरती के साथ हुआ। इस अवसर पर परिसर में आध्यात्मिक एवं भक्तिमय वातावरण बना रहा।

इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनकी लीलाओं एवं शिक्षाओं पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

समारोह का प्रमुख आकर्षण दही-हांडी प्रतियोगिता रही, जिसका आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, जोश और टीम भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों में सहयोग, समन्वय, नेतृत्व एवं सामूहिक प्रयास की भावना को प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता एवं विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान सम्मानित किया गया।

इसके पश्चात प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के नेतृत्व ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता की सराहना की तथा कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण करते हुए युवा पीढ़ी में अनुशासन, टीम भावना, सद्भाव, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को विकसित करना अत्यंत आवश्यक है।

ट्रिनिटी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ट्रिनिटी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, अबूपुर, मुरादनगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भव्य एवं मनमोहक जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और राधा-कृष्ण की मनमोहक छवि ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नन्हे राधा-कृष्ण का रूप धारण कर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की सुंदर वेशभूषा और आकर्षक प्रस्तुतियों ने पूरे विद्यालय परिसर को भक्तिमय वातावरण से भर दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रचनात्मक एवं कलात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें मटकी सजावट, बांसुरी सजावट एवं मुकुट सजावट प्रमुख रहे। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा एवं कलात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। विद्यालय में आयोजित यह सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ जन्माष्टमी का पर्व मनाया। यह संपूर्ण कार्यक्रम डॉ. सुंदीप रोहिला जी, श्रीमती रितु गोयल मैम एवं वाइस प्रिंसिपल श्रीमती शिखा गोयल के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, उत्साह और रचनात्मकता की सराहना की तथा कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। जन्माष्टमी उत्सव के दौरान विद्यालय परिसर में भक्ति, उल्लास और रचनात्मकता का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम सभी विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार के लिए एक यादगार एवं आनंदमय अनुभव रहा।

निवाड़ी शिव मंदिर में चोरी होने से लोगों में रोष

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। नगर पंचायत निवाड़ी के शिव मंदिर में जन्माष्टमी से एक दिन पहले चोरी होने से नगर पंचायत निवाड़ी के लोगों में बड़ा रोष है। कस्बे वासियों का कहना है कि मंदिर में से एक चांदी का मुकुट, एक त्रिशूल,एक हनुमान जी की गदा, एक कटोरी करीब 20000 की चोरी शिव मंदिर से हुई है।

भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी ने कहा निवाड़ी थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद है। पुलिस उन पर अंकुश नहीं लगा पा रही है नगर पंचायत निवाड़ी के लोगों में बड़ा रोष है। जल्द खुलासा न होने पर निवाड़ी थाने पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

शिव मंदिर में रोष प्रकट करने वालों मे भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी, नगर अध्यक्ष नरेंद्र त्यागी, पूर्व सभासद अवनीश त्यागी, सचिन त्यागी, सुरेश गिरी, सागर त्यागी, राज प्रकाश त्यागी, अंकित त्यागी, उपेश त्यागी, मोनू त्यागी आदि लोग मौजूद रहे।

बच्चों को मोबाइल फोन की स्क्रीन से दूर कर किताबें और अखबारों की दुनिया से जोड़ने की की जा रही है तैयारीछः डॉ एस सी अग्रवाल

सत्र के अंत में सबसे अधिक पुस्तकें पढ़ने वाले छात्रों को चैंपियन रीडर ऑफ द ईयर घोषित किया जाएगा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ एस सी अग्रवाल ने कहा कि छात्रों में सामान्य ज्ञान शब्दावली और पठन कौशल को सुधारने के लिए प्रतिदिन प्रत्येक छात्र अखबार या समाचार पत्र या कोई ज्ञानवर्धक पत्रिका पढेगा ।अपने अपने घरों पर कम से कम एक समाचार पत्र लेने के लिए सभी छात्रों को प्रेरित किया जा रहा है। प्रत्येक कक्षा को सप्ताह में कम से कम एक बार पुस्तकालय में जाकर अखबार या कोई ज्ञानवर्धक पत्रिका या कोई अन्य किताब छात्र के लिए पढ़ना अनिवार्य किया गया है प्रत्येक दिन प्रार्थना स्थल पर भी छात्रों को अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय समाचारों की मुख्य लाइन और खेल समाचारों तथा संपादकीय लेख पढ़नाअनिवार्य किया गया है । प्रत्येक दिन प्रधानाचार्य या कोई भी शिक्षक के द्वारा ज्ञानवर्धक बातों से छात्रों में सीखने की जिज्ञासा को बढ़ाने का सराहनीय कार्य विद्यालय प्रबंधन द्वारा किया जा रहा है । अपर मुख्य सचिव बेसिक व माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा का यह आदेश सराहनीय है कि यह केवल अभियान ही नहीं बल्कि प्रदेश के भविष्य को संभालने का एक साझा संकल्प है। उन्होंने कहा कि आज देखा जा रहा है की छात्र अपना कीमती समय मोबाइल स्क्रीन पर बर्बाद कर रहे हैं, इसी को ध्यान में रखते हुए प्रतेयक छात्र को कोई भी पत्रिका अखबार समाचार पत्र या कोई भी अन्य ज्ञानवर्धक किताबें पढ़ने के लिए समय देने पर जोर दिया जा रहा है। शिक्षा में समाचार पत्र का उपयोग छात्रों के भाषा कौशल ,सामान्य ज्ञान और आलोचनात्मक सोच को विकसित करने का एक प्रभावी और जीवंत साधन है इससे विद्यार्थियों को देश दुनिया की ताजा घटनाओं और सामान्य ज्ञान की जानकारी की सहज उपलब्ध हो जाएगी भविष्य में विद्यालय और पुस्तकालयों में स्थानीय लेखकों साहित्यकारों और वरिष्ठ पाठकों के साथ लेखक संवाद कार्यक्रम भी छात्रों के मध्य आयोजित किए जाएंगे। सत्र के अंत में जो छात्र सबसे अधिक किताब पढेंगे उन्हें चैंपियन रीडर ऑफ द ईयर घोषित किया जाएगा।

श्री लक्ष्मी नारायण मोदी मंदिर को सुंदर ढंग से सजाया गया, भगवान श्री कृष्ण एवं राधा की सुंदर झांकियां सजाई गई

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर श्री लक्ष्मी नारायण मोदी मंदिर को सुंदर ढंग से सजाया गया। इस मौके पर भगवान श्री कृष्ण राधा की की सुंदर झांकियां सजाई गई तथा प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा भगवान श्री राधा कृष्ण के भजनों के कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर के प्रबंधक जितेंद्र चौधरी व जितेंद्र मिश्रा ने बताया कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर को बहुत ही सुंदर ढंग से सजाया गया है ।सुंदर-सुंदर झांकियां लगाई गई है तथा प्रसिद्ध गायकों द्वारा भगवान श्री कृष्ण राधा भजनों प्रस्तुत किए गए। जन्माष्टमी के पावन पर्व पर नगर में आसपास क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तजन भगवान श्री कृष्णा एवं राधा जी के दर्शनों के लिए मंदिर में आए और भगवान से आशीर्वाद लिया।

प्राचीन शिव मंदिर में भव्य एवं मनमोहक झांकियों का किया गया आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर प्राचीन शिव मंदिर (निकट दुल्हन बैंक्वेट हॉल) में भव्य एवं मनमोहक झांकियों का सफल आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रबंधक एवं मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष विनोद कुमार माहेश्वरी जी तथा उनके समस्त परिवार के प्रेरणादायक मार्गदर्शन एवं सहयोग से इस पावन कार्यक्रम का सफल आयोजन संभव हो सका ।

कार्यक्रम को भव्य स्वरूप देने में विद्यालय के प्रबंधक गौरव माहेश्वरी एवं श्रीमती राधिका माहेश्वरी के नेतृत्व में अत्यंत आकर्षक और सजीव झांकियां तैयार की गईं। इस अवसर पर समुद्र मंथन एवं मोहिनी अवतार, द्वारकाधीश और सुदामा, जामवंत द्वारा हनुमान जी को शक्ति स्मरण, बाल कृष्ण लीला तथा गोपियों संग राधा-कृष्ण झूला सहित विभिन्न झांकियों का सुंदर एवं मनोहारी चित्रण प्रस्तुत किया गया।

उपस्थित श्रद्धालुओं ने इन झांकियों को श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ निहारा ।झांकियों के निर्माण, भव्य सजावट एवं संपूर्ण व्यवस्थापन में श्रीमती शालिनी चौधरी का विशेष एवं मुख्य योगदान रहा। उन्होंने विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और समर्पित सहयोगियों के साथ मिलकर पूरे कार्यक्रम की जिम्मेदारी बखूबी संभाली।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी के कुशल नेतृत्व और सहयोग के साथ-साथ अन्य सभी सहयोगियों का भी सराहनीय योगदान रहा ।कार्यक्रम के अंत में मंदिर में दर्शन के लिए आए सभी श्रद्धालुओं हेतु प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की गई। बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों ने अलौकिक झांकियों के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण कर आध्यात्मिक आनंद एवं धर्मलाभ प्राप्त किया।

दहेज की मांग पूरी नहीं हुई तो विवाहिता को तीसरी मंजिल से फेंका, हाथ-पैर और पसलियां टूटीं

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विजयनगर क्षेत्र में दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता के साथ मारपीट करने और उसे तीसरी मंजिल से नीचे फेंकने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग लंबे समय से दहेज के लिए उसका उत्पीडऩ कर रहे थे। मांग पूरी करने के लिए उसने मायके से करीब डेढ़ लाख रुपये लाकर भी दिए, लेकिन इसके बाद भी प्रताडऩा बंद नहीं हुई। 17 अगस्त को मारपीट के दौरान उसे तीसरी मंजिल से नीचे गिरा दिया गया। ऊंचाई से गिरने के कारण उसके हाथ-पैर और पसलियों में गंभीर चोटें आईं और हड्डियां टूट गईं। पीड़िता की शिकायत पर विजयनगर पुलिस ने पति समेत सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रताप विहार सेक्टर-11 स्थित वाल्मीकि पार्क निवासी रहनुमा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी नदीम के साथ हुई है। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही पति और ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग को लेकर उसे परेशान करने लगे थे। परिवार का माहौल बिगडऩे से बचाने के लिए उसने मायके वालों से करीब डेढ़ लाख रुपये लेकर ससुराल पक्ष को दिए। इसके बाद कुछ समय तक स्थिति सामान्य रही, लेकिन बाद में फिर से दहेज की मांग शुरू कर दी गई। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट और मानसिक उत्पीडऩ किया जाने लगा। पीड़िता के मुताबिक, 17 अगस्त को उसका पति नदीम उसके साथ मारपीट कर रहा था। इस दौरान वह अपने मामा और पिता को वीडियो कॉल पर पूरी घटना दिखा रहा था। आरोप है कि मारपीट के दौरान ही उसे तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया गया।

बदलते समय में यह घमंड नहीं, खुद की देखभाल है: भारद्वाज

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। जिस तरह पहले समाज में लोग रहते थे। आपसी भाईचारा, प्रेम सौहार्द, सच्चाई, सबकी मान्यता थी। एक दूसरे का लोग सम्मान और आदर करते थे ,लेकिन बदलते समय में सब कुछ बदलता जा रहा है। इसलिए बदलते समय में खुद भी बदलाव करना जरूरी है। यह बदलाव घमंड नहीं,खुद की देखभाल है।

यह विचार अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज ने एक वार्ता में के दौरान व्यक्त किए। शिव मोहन भारद्वाज ने कहा प्रिय बंधुओं, समय के साथ लोगों में भी बदलाव आ रहा है जब कोई व्यक्ति आपकी गरिमा को रौद दे, उस रिश्ते का अंतिम संस्कार कर देना ही बुद्धिमता होती है। वे लोग जो कल तक आपकी मौजूदगी की कदर न कर सके, आज आपके पास पश्चाताप की उम्मीद में अगर आंसू बहा कर भी आते हैं,तो उन आंसुओं मे कोई सच्चाई नहीं,केवल नाटक है। उन्होंने कहा कि अपना दरवाजा उन्हें देखकर इतनी कठोरता से बंद कर दो जैसे सांप का घर में प्रवेश रोकने के लिए दरवाजा बंद किया जाता है ताकि वे लोग दोबारा आपकी दहलीज पर आने की हिम्मत ना करें। उन्हें यह याद दिलाना जरूरी है अब यहाँ इनके लिये कोई जगह नहीं बची है,ना सम्मान। अपनी शांति की रक्षा के लिए, अपने स्वाभिमान को जिंदा रखने के लिए, ऐसे व्यक्ति को हमेशा अपनी जिंदगी से बेदखल कर दे। यह घमंड नहीं, खुद की देखभाल है। क्योंकि सांप के पहुंचने के बाद भी उसके मुंह में उंगली देना बहुत बड़ी बेवकूफी है। यह कोई घमंड की बात नहीं, खुद की देखभाल है। ऐसे रिश्तों का कोई फायदा नहीं।

12 सितंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

ज्यादा से ज्यादा मामलों के निस्तारण का लक्ष्य

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिला न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अधिकारियों को पिछली लोक अदालत की तुलना में इस बार अधिक मामलों के निस्तारण का लक्ष्य दिया गया है। राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा अपर सत्र न्यायाधीश एवं स्पेशल जज एससी/एसटी जितेंद्र मिश्रा की अध्यक्षता तथा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. दिनेश शुक्ला और अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश लोकेश वरुण के मार्गदर्शन में की जा रही है। इसे लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें आयोजित की जा रही हैं। तहसीलदार, नगर निगम, विद्युत विभाग, आबकारी विभाग और परिवहन विभाग (आरटीओ) समेत विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों को अधिक से अधिक मामलों को चिन्हित करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि लोक अदालत में चिह्नित मामलों का प्रभावी ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। लोक अदालत के माध्यम से आमजन को आपसी सहमति और समझौते के आधार पर विवादों का त्वरित समाधान उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विवादों के सरल और शीघ्र निस्तारण के लिए जागरूक किया जाए।

फरवरी से घर-घर होगी जातिगत जनगणना, 1200 प्रगणक संभालेंगे जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी जनगणना को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। अगले साल फरवरी से जनगणना का दूसरा चरण शुरू किया जाएगा, जिसमें घर-घर जाकर विस्तृत आंकड़े जुटाए जाएंगे। इसके लिए जिले में करीब 1200 प्रगणकों की तैनाती की जाएगी। इन प्रगणकों का प्रशिक्षण 15 सितंबर से शुरू होगा। प्रशासन ने जनगणना कार्य को समयबद्ध और व्यवस्थित ढंग से पूरा कराने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार जनगणना के पहले चरण में घरों का सर्वे किया जा चुका है। अब उपलब्ध जानकारी के आधार पर डेटा तैयार किया जा रहा है। दूसरे चरण के लिए जिले को अलग-अलग सेक्टरों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक सेक्टर की निगरानी और समन्वय की जिम्मेदारी एडीएम स्तर के अधिकारियों को सौंपी जाएगी। उनके नेतृत्व में संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी जनगणना कार्य की नियमित समीक्षा करेंगे। दूसरे चरण में फरवरी माह से घर-घर जाकर परिवारों से विस्तृत जानकारी जुटाई जाएगी। इसमें परिवार के सदस्यों की साक्षरता, रोजगार, जातिगत विवरण, प्रवासन, आवासीय स्थिति और अन्य सामाजिक-आर्थिक जानकारियां दर्ज की जाएंगी। प्रशासन के मुताबिक यह आंकड़े भविष्य में विकास योजनाओं के निर्माण और सरकारी नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

जनगणना शुरू होने में अभी कई महीने का समय है, लेकिन प्रशासन इससे पहले सभी तैयारियां पूरी करने में जुटा है। विभिन्न विभागों से कर्मचारियों की उपलब्धता के आधार पर रोस्टर तैयार किया जा रहा है। प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की ड्यूटी समय से निर्धारित की जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा रही है, ताकि कर्मचारियों को जनगणना के मानकों, डिजिटल प्रक्रिया और डेटा संग्रह की विधि की पूरी जानकारी मिल सके। पहले चरण में जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने वाले 12 कर्मचारियों के खिलाफ प्रशासन ने एफआईआर दर्ज कराई थी। इस बार ड्यूटी से अनुपस्थित रहने या काम में लापरवाही करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ और सख्ती बरतने की तैयारी है। बिना अनुमति अनुपस्थित रहने या जिम्मेदारी में लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

ट्रांस हिंडन में बारिश ने खोली जलनिकासी की पोल

सड़कों पर डेढ़ फीट तक पानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। शुक्रवार को हुई बारिश ने ट्रांस हिंडन क्षेत्र की जलनिकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। बारिश शुरू होते ही शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-वन, इंदिरापुरम के काला पत्थर रोड, न्याय खंड-एक स्थित साईं मंदिर के पास और अर्थला रेलवे अंडरपास समेत कई इलाकों में जलभराव हो गया। कुछ ही देर में सड़कों पर एक से डेढ़ फीट तक पानी भर गया। इससे हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सबसे ज्यादा दिक्कत पैदल राहगीरों को हुई। लोगों को पानी में घुसकर आवागमन करना पड़ा। कई स्थानों पर जलभराव के साथ कूड़ा भी सड़कों पर आ गया, जिससे दुर्गंध फैलने लगी। शालीमार गार्डन के राधा कृष्ण मार्ग पर पानी भरने से कई वाहन खराब हो गए। बी-ब्लाक में भी लोग जलभराव से परेशान रहे। स्थानीय निवासी राकेश कुमार ने बताया कि हल्की बारिश में भी सड़कें पानी से भर जाती हैं और जलनिकासी में दो से तीन दिन लग जाते हैं। नगर निगम में कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। वहीं, बारिश के दौरान मुख्य मार्गों पर वाहनों का दबाव बढऩे से यातायात भी प्रभावित रहा। जीटी रोड, कनावनी पुलिया, सौर ऊर्जा मार्ग, एनएच-नौ और साहिबाबाद रेलवे मार्ग पर वाहन चालकों को जाम से जूझना पड़ा। पांच मिनट का सफर तय करने में लोगों को 15 से 20 मिनट तक लग गए। हालांकि बारिश के बाद तापमान में गिरावट से लोगों को गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली।

श्रीकृष्ण के कर्मयोग के रास्ते पर भाजपा, 2027 में फिर खिलेगा कमल : पंकज चौधरी

जन्माष्टमी पर इस्कॉन मंदिर में पूजन-अर्चन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जन्माष्टमी के पावन पर्व पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी राजनगर स्थित इस्कॉन मंदिर पहुंचे। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर विधिवत पूजन-अर्चन किया और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

पत्रकारों से बातचीत में पंकज चौधरी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन कर्म, कर्तव्य और राष्ट्रधर्म का संदेश देता है। भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकारें इसी कर्मयोग की भावना के साथ जनसेवा में जुटी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि गरीबों को आवास, उज्ज्वला कनेक्शन, निःशुल्क राशन और स्वास्थ्य सुविधाओं समेत विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद अब मथुरा-वृंदावन और ब्रजभूमि के विकास को भी नई गति दी जा रही है।

प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि योगी सरकार के सुशासन और विकास कार्यों से जनता संतुष्ट है। 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी और कमल खिलेगा। कार्यक्रम में सांसद अतुल गर्ग, मंत्री सुनील शर्मा व नरेंद्र कश्यप, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, विधायक संजीव शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खाकी की आंखों का भी रखा गया ख्याल, 90 पुलिसकर्मियों की हुई निःशुल्क नेत्र जांच

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। पुलिसकर्मियों की चुनौतीपूर्ण एवं व्यस्त ड्यूटी के बीच उनकी सेहत को लेकर कमिश्नरेट गाजियाबाद ने अहम पहल की है। अपर पुलिस उपायुक्त अपराध/लाइन्स पीयूष कुमार सिंह की पहल पर अपराध शाखा परिसर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। Centre for Sight Eye Hospital की विशेषज्ञ टीम ने विभिन्न शाखाओं में तैनात पुलिसकर्मियों की आंखों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर में कुल 90 पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया और नेत्र परीक्षण कराया।

चिकित्सकों ने जांच के दौरान सामने आई समस्याओं को लेकर जरूरी सलाह भी दी। अधिकारियों के मुताबिक, पुलिसकर्मियों की नेत्र संबंधी परेशानियों की समय रहते पहचान कर उनका उचित चिकित्सकीय मार्गदर्शन करना शिविर का उद्देश्य था। पहल से पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य के साथ उनकी कार्यक्षमता बेहतर बनाए रखने में मदद मिलेगी।

ऑपरेशन प्रहार में बड़ी कार्रवाई, 1.3 किलो गांजे के साथ दो तस्कर दबोचे

● गांजा तस्करी पर क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस का शिकंजा, दो आरोपी दबोचे

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान शाहबेरी की पुलिया के पास से दोनों को पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 1 किलो 300 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नंदलाल कुमार (23) निवासी सीतामढ़ी, बिहार, हाल निवासी सरफाबाद, नोएडा और अनिल (37) निवासी सुदामापुरी, मोदीनगर के रूप में हुई है। बरामदगी के आधार पर थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

राजनगर एक्सटेंशन में खुला नया ट्रैफिक कार्यालय, जाम से राहत और त्वरित कार्रवाई पर जोर

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। राजनगर एक्सटेंशन के सब-जोन-9 में यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए ALT पुल के नीचे नवीन यातायात निरीक्षक (T.I.) कार्यालय का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गाजियाबाद के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था एवं यातायात) ने कार्यालय का

विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान पुलिस उपायुक्त यातायात, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात, सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात निरीक्षक, ट्रैफिक वालंटियर फोर्स (TVF), DVF प्रतिनिधि और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

नए कार्यालय से ALT पुल, राजनगर एक्सटेंशन और सब-जोन-9 के प्रमुख चौराहों, कटों एवं व्यस्त मार्गों पर यातायात नियंत्रण को प्रभावी बनाया जाएगा। पीक आवर्स में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, दुर्घटना या वाहन खराब होने पर त्वरित कार्रवाई और जाम खुलवाने की व्यवस्था रहेगी। स्थानीय नागरिक अब यातायात संबंधी शिकायत, सुझाव और समस्याएं सीधे कार्यालय में दर्ज करा सकेंगे। जनप्रतिनिधियों व ट्रैफिक वालंटियर्स के साथ समन्वय कर यातायात समस्याओं के स्थायी समाधान पर भी जोर दिया जाएगा।

विधानसभा चुनाव से पहले ईवीएम-वीवीपैट की होगी कड़ी जांच, 22 सितंबर तक चलेगा परीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच शुरू कर दी है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत जिले में मतदान के लिए इस्तेमाल होने वाली सभी मशीनों का तकनीकी परीक्षण किया जा रहा है। यह प्रक्रिया कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस में 22 सितंबर तक चलेगी। जांच का जिम्मा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के अधिकृत इंजीनियरों को सौंपा गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी की निगरानी में मशीनों की तकनीकी स्थिति, कार्यप्रणाली और निर्धारित मानकों के अनुरूप उनकी क्षमता की जांच की जाएगी। जिला प्रशासन ने जांच प्रक्रिया को सुचारु रूप से पूरा कराने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने बताया कि ईवीएम और वीवीपैट का परीक्षण निर्धारित प्रक्रिया और भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। जांच में पूरी तरह सफल और मानकों पर खरी उतरने वाली मशीनों का ही आगामी विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी व्यवस्थाएं आयोग के निर्देशों के अनुरूप की गई हैं। जांच पूरी होने के बाद सही पाई गई ईवीएम और वीवीपैट को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के सामने चलाकर भी दिखाया जाएगा। इससे मशीनों की कार्यप्रणाली को लेकर पारदर्शिता बनी रहेगी और चुनाव से पहले किसी तरह की तकनीकी खामी की संभावना को दूर किया जा सकेगा।

चार बार टूटा मातृत्व का सपना, पांचवीं कोशिश में घर में गूंजी किलकारी

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। लोनी के श्रीराम कॉलोनी, बंथला निवासी 31 वर्षीय हेमलता के परिवार में लंबे इंतजार के बाद खुशियां लौट आईं। लगातार कठिन गर्भावस्थाओं और संतान संबंधी दुखद अनुभवों के बाद हेमलता ने स्वस्थ बेटे को जन्म दिया।

पिछली गर्भावस्थाओं में उन्हें बेटी की जन्म के बाद मृत्यु, बेटे के अस्वस्थ रहने तथा तीसरी गर्भावस्था में पांचवें माह गर्भस्थ शिशु की मृत्यु का सामना करना पड़ा था।

चौथी गर्भावस्था में परिवार ने हेमलता की विशेष देखभाल की। आंगनवाड़ी कार्यकत्री अंजली कुमारी ने नियमित गृह भ्रमण कर स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पौष्टिक आहार, आयरन-कैल्शियम और पर्याप्त आराम के प्रति जागरूक किया। चिकित्सकीय सलाह के अनुसार हेमलता की आवश्यक जांच और उपचार भी कराया गया।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत आवेदन में सहयोग मिलने पर हेमलता को 3,000 रुपये की सहायता राशि भी प्राप्त हुई। स्वस्थ बेटे के जन्म से परिवार में खुशी का माहौल है। हेमलता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताया।

माता-पिता गए काम पर, घर से लापता हुए दो नाबालिग भाई

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस, सकुशल बरामदगी का प्रयास तेज

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में माता-पिता के काम पर जाने के बाद 13 और नौ वर्षीय दो सगे भाई संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गए। दोपहर में मां के घर पहुंचने पर बच्चों के गायब होने का पता चला। काफी तलाश के बाद भी दोनों का सुराग नहीं मिलने पर पिता ने पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस दोनों भाइयों की तलाश में जुटी है। गांव निवासी बच्चों के पिता टैक्सी चालक हैं, जबकि उनकी पत्नी लोगों के घरों में सहायिका का काम करती हैं। उन्होंने बताया कि एक सितंबर को सुबह करीब पांच बजे दोनों पति-पत्नी अपने 13 और नौ वर्षीय बेटों को घर पर छोड़कर काम पर चले गए थे। दोपहर करीब दो बजे मां घर पहुंचीं तो दोनों बच्चे वहां नहीं मिले। उन्होंने आसपास बच्चों की तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। शाम को पिता के घर पहुंचने पर उन्हें मामले की जानकारी हुई। इसके बाद दोनों ने दोस्तों और रिश्तेदारों के यहां बच्चों की तलाश की।

कहीं पता नहीं चलने पर पुलिस से शिकायत कर दोनों की गुमशुदगी दर्ज कराई गई। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि बच्चों की तलाश के लिए घर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इससे यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि दोनों बच्चे किस समय घर से निकले और किस दिशा में गए। पुलिस ने जल्द दोनों भाइयों को सकुशल बरामद करने की बात कही है।

रवि गौतम को धरने से उठाकर अस्पताल भेजा, समर्थकों का हंगामा

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा(वेलकम इंडिया)। मेरठ कमिश्नरी में दलित छात्रा को न्याय दिलाने तथा आईपीएस अविनाश पांडेय के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर एक महीने से अधिक समय से धरने पर बैठे युवा शक्ति दल के अध्यक्ष रवि गौतम को पुलिस ने बीती रात धरनास्थल से उठाकर गाजियाबाद के संतोष हॉस्पिटल में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार, खराब स्वास्थ्य के चलते उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। रवि गौतम के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी मिलते ही उनके समर्थक बड़ी संख्या में संतोष हॉस्पिटल पहुंच गए।

अस्पताल प्रशासन और पुलिस द्वारा भीड़ को रवि से मिलने की अनुमति नहीं देने पर समर्थकों ने अस्पताल के बाहर धरना देकर नारेबाजी की। बाद में कुछ समर्थक कथित तौर पर अस्पताल के अंदर पहुंच गए, जिसके बाद पुलिस से तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई।

पुलिस ने कहा कि अन्य मरीजों और अस्पताल स्टाफ की सुविधा को देखते हुए भीड़ को नियंत्रित किया गया। रवि के परिजन अस्पताल के नियमों के तहत उनसे मिल सकते हैं। पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

हॉकी स्टेडियम पर घमासानः ह्यजेन-जीह्न ने खोला मोर्चा, प्राधिकरण पर मनमानी का आरोप

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा(वेलकम इंडिया)। हॉकी स्टेडियम निर्माण को लेकर ग्रेटर नोएडा में विवाद बढ़ता जा रहा है। खेल मैदान बचाओ समिति ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर जनप्रतिनिधियों, आरडब्ल्यूए और स्थानीय नागरिकों की आपत्तियों को नजरअंदाज कर निर्माण शुरू कराने का आरोप लगाया है।

समिति के मुताबिक, जन्माष्टमी के दिन प्राधिकरण की टीम जेसीबी लेकर मैदान पहुंची और निर्माण कार्य शुरू कर दिया। विरोध कर रहे खिलाड़ियों, बच्चों और नागरिकों के साथ कथित अभद्र व्यवहार व लाठीचार्ज का भी आरोप लगाया गया।

समिति का कहना है कि सांसद डॉ. महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, एमएलसी नरेंद्र भाटी, विधायक तेजपाल नागर समेत कई जनप्रतिनिधियों ने मैदान की यथास्थिति बनाए रखने की मांग की थी। समिति के अनुसार, मैदान में कई खेलों और सेना-पुलिस भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी प्रभावित होगी। मामले को लेकर युवाओं ने प्राधिकरण कार्यालय तक शांतिपूर्ण मार्च का निर्णय लिया है। निर्माण नहीं रुका तो बड़े धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी गई है। समिति ने मुख्यमंत्री से शिकायत और न्यायालय की शरण लेने की बात कही है।

वसुंधरा सेक्टर-1 में भक्ति, संस्कृति और उल्लास के साथ मनाया 15वां श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सेक्टर-1 स्थित रामलीला ग्राउंड में शुक्रवार को 15वां श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव भक्ति, श्रद्धा, संस्कृति और उल्लास के साथ भव्य रूप से मनाया गया। 15 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा यह महोत्सव क्षेत्र में आस्था और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बन चुका है।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों ने आयोजन में पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का आनंद लिया। महोत्सव का मुख्य आकर्षण करीब 200 बच्चों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं। बच्चों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं के साथ नृत्य, संगीत, नाट्य और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास ने पूरे रामलीला ग्राउंड को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। आयोजन की तैयारियां करीब दो माह पहले शुरू कर दी गई थीं।